ssnewsmp | Instagram SSNewsmp | ssnewsmp | Telegram - ssnewsmp | Android App - SSNews India | website;www.ssnewsmp.com

उज्जैन ,इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

शब्द सरोवर

जहाँ खबर,वहाँ नजर

सांध्य दैनिक

वर्ष 31 अंक-314 | उज्जैन,शुक्रवार 22 मार्च 2024 | पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपए

केरला हाईकोर्ट में छह अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किए गए

नयी दिल्ली। छह अधिवक्ताओं और एक न्यायिक अधिकारी को बृहस्पतिवार को देश के दो उच्च न्यायालयों में न्यायाधीश नियुक्त किया गया। विधि एवं न्याय मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विधि एवं न्याय मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक अधिवक्ता मुल्लापल्ली अब्दुल अजीज अब्दुल हकीम, श्याम कुमार वडक्के मुदावक्कट, हरिशंकर विजयन मेनन, मनु श्रीधरन नायर, ईश्वरन सुब्रमणि और मनोज पुलाम्बी माधवन को केरल उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया है। न्यायिक अधिकारी मोहम्मद युसूफ वानी को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। इसके अलावा बंबई उच्च न्यायालय के 10 अतिरिक्त न्यायाधीशों को स्थायी न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया है। अतिरिक्त न्यायाधीशों को आमतौर पर न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत करने से पहले दो साल की अवधि के लिए नियुक्त किया जाता है।

केजरीवाल से ईडी की पूछताछ जारी, सुप्रीम कोर्ट से वापस ली अर्जी

नई दिल्ली । आखिरकार दिल्ली शराब नीति कांड में मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के सबसे बड़े नेता अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार कर ही लिया। केजरीवाल को पूरी रात ईडी दफ्तर के लॉकअप में रखा गया। केजरीवाल को घर से बुलाकर खाना दिया गया। उन्हें कंबल और दवाएं दी गईं। हालांकि मुख्यमंत्री पूरी रात सो नहीं पाए और बेचैन रहे। गिरफ्तारी के खिलाफ आम आदमी पार्टी प्रदर्शन कर रही है।अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट से अपनी अर्जी वापस ले ली। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस संजीव खन्ना की बेंच को बताया कि वे निचली अदालत में जाना चाहते हैं, इसलिए अर्जी वापस ले रहे हैं।अब सीधे राउज एवेन्यू कोर्ट में पेशी होगी, जहां कि तैयारी ईडी कर रही है। यहां ईडी 10 दिन की रिमांड मांगेगी।साथ ही केजरीवाल के पास हाई कोर्ट जाने का विकल्प भी खुला है।केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ दिल्ली में आईटीओ पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस ने आप की दिल्ली मंत्री आतिशी को हिरासत में ले लिया।

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर बोले मप्र के सीएम डॉ मोहन यादव-पद का इतना लालच शोभा नहीं देता, इस्तीफा दे देना चाहिए

भोपाल। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक सीएम के रूप में वह जेल जा रहे हैं।अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर बोले मप्र के सीएम डॉ मोहन यादव-पद का इतना लालच शोभा नहीं देता, इस्तीफा दे देना चाहिए।अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर बोले मप्र के सीएम डॉ मोहन यादव-पद का इतना लालच शोभा नहीं देता, इस्तीफा दे देना चाहिए।मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि पद का इतना लालच अरविंद केजरीवाल को शोभा नहीं देता। उन्हें सीएम पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने केजरीवाल के जेल से सरकार चलाने पर कहा कि अरविंद केजरीवाल को पद का मद है। मुख्यमंत्री के रूप में जेल जाना ये बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है, आज तक कभी ऐसा समय नहीं आया।

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर बोले अन्ना हजारे, मुझे दुख हुआ, लेकिन यह कर्मों का फल

नई दिल्ली। शराब नीति कांड में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की देशभर में चर्चा है। कोई इसे सही ठहरा रहा है तो कोई राजनीति से प्रेरित बता रहा है। इस बीच, समाजसेवी अन्ना हजारे ने भी प्रतिक्रिया दी है।अन्ना हजारे ने कहा कि उन्हें केजरीवाल की गिरफ्तारी का दुख है। केजरीवाल ने सरकार के खिलाफ आंदोलन में उनके साथ काम किया था।बकौल अन्ना हजारे, मुझे दुख है कि जिस आदमी ने मेरे साथ शराब के खिलाफ आवाज बुलंद की, वो आज खुद शराब नीति बना रहा है। सत्ता के कारण ऐसा हुआ है। यह कर्मों का फल है जो केजरीवाल को भोगना पड़ रहा है।इस बीच, केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि उन्होंने इस्तीफा दिया तो दिल्ली का मुख्यमंत्री कौन बनेगा? हालांकि दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी मार्लेना ने साफ किया है कि केजरीवाल ही सीएम थे, सीएम हैं और सीएम बने रहेंगे?इसका अर्थ यह भी निकाला जा रहा है कि जल्दी जमानत नहीं मिली, तो केजरीवाल अब जेल में रहकर सरकार चलाएंगे?पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को दिल्ली के सीएम के बाद पार्टी में नंबर 2 माना जाता था, इसी मामले में फरवरी 2023 से तिहाड़ में हैं।कालकाजी से विधायक आतिशी के पास अभी दिल्ली सरकार में सबसे अधिक विभाग हैं। इनमें सिसोदिया द्वारा खाली किए गए विभाग भी शामिल हैं। ऐसे में आतिशी के अगली मुख्यमंत्री बनने की संभावना है।

धार भोजशाला सर्वे के पहले दिन का काम पूरा, अब शनिवार को होगा

सुप्रीम कोर्ट से मुस्लिम पक्ष को झटका, भोजशाला के एएसआई सर्वे मामले की तत्काल सुनवाई से इनकार

धार। धार की ऐतिहासिक भोजशाला में कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह 6.21 मिनट पर एएसआई द्वारा सर्वे शुरू किया गया थाद्य दोपहर 12ः00 बजे टीम के सदस्य बाहर निकले, परंतु उन्होंने मीडिया से चर्चा में नहीं करते हुए टीम रवाना हो गईद्य वहीं याचिकाकर्ता आशीष गोयल ने बताया कि शुक्रवार को दोपहर 12.00 बजे तक सर्वे का काम पूरा हो चुका है। अब अगले दिन यानी शनिवार को सर्वे दोबारा शुरू होगा। पहले दिन प्रारंभिक तौर पर सर्वे का काम किया गया है।

दरअसल न्यायालय के आदेश के बाद शुक्रवार को भोजशाला में सुबह 6.21 बजे एएसआई के पांच सदस्यों की टीम द्वारा सर्वे का काम शुरू किया गया। सुबह टीम के अंदर जाने के साथ 20 से 25 श्रमिकों को भी अंदर भेजा गया। इसी के साथ उपकरण भी अंदर भेजे गए। इसमें दोपहर 12.00 तक पहले दिन का सर्वे का काम हुआ है। इसमें प्राथमिक तौर पर भोजशाला में सर्वे किया गया है। चिन्हों के वीडियो व फोटोग्राफी करने के साथ ही आगामी दिनों की रूपरेखा सर्व को लेकर तैयार की गई।याचिकाकर्ता आशीष गोयल ने बताया कि टीम द्वारा विभिन्न पैमानों पर सर्वे किया है। आज ग्राउंड लेवल पर काम किया गया। इसमें आगामी दिनों में जो गतिविधि होगी उसकी रूपरेखा तैयार की गई है। नवीन तकनीक के आधार पर सर्वे का काम हो रहा है।वहीं गोपाल शर्मा ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर भोजशाला का सर्वे किया गया है। इसमें टीम द्वारा फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी की गई है। साथ ही किसी चिन्हों को नोट किया गया है। आज उन्होंने प्रारंभिक बेस बनाया है। इसमें कहां पर खोदाई होना है आगे की योजना बनाई गई। आज का जो सर्व था वह समाप्त हो गया है। अब कल सुबह से सर्वे होगा। उन्होंने बताया कि मुस्लिम पक्ष की ओर से कोई भी मौजूद नहीं था।ऐतिहासिक भोजशाला में सर्वे पर रोक लगाने की मांग को लेकर मुस्लिम पक्ष को फिलहाल राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोर्ट में पहले से ही काफी काम पेंडिंग है। इससे इस मामले पर तुरंत सुनवाई होना संभव नहीं है। मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसाइटी ने दाखिल की यह है याचिका। सर्वे से जुड़े हाई कोर्ट के आदेश पर रोक की मांग की गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने लोकायुक्त की नियुक्ति पर रोक से किया इनकार, मप्र सरकार को दिया नोटिस

भोपाल। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश में लोकायुक्त की नियुक्ति पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने राज्य में लोकायुक्त की नियुक्ति को अवैध बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।याचिका में उमंग सिंघार ने आरोप लगाया था लोकायुक्त सतेंद्र कुमार की नियुक्ति नियमों के विरुद्ध की गई है। उन्होंने यह भी कहा था कि उन्हें जानकारी दिए गए लोकायुक्त की नियुक्ति की गई।आज सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने नियुक्ति पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में मध्य प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने लोकायुक्त नियुक्ति से जुड़ी फाइल तलब की है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार से दो सप्ताह में जवाब मांगा है।

महू-नीमच हाईवे पर मिले दो युवकों के शव, हत्या की आशंका, लोगों ने किया चक्काजाम

रतलाम/नामली । महू-नीमच हाईवे पर रतलाम जिले के कांडरवासा फंटे के पास डिवाइडर के समीप दो युवकों के शव मिले। इससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना स्थल पर बाइक भी गिरी पाई गई है। इससे सड़क दुर्घटना से दोनों युवकों की मौत होना माना जा रहा है। स्वजन का कहना है कि युवकों के साथ कोई घटना हुई है। दोनों की मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। नामली पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस मामले में लोगों ने हत्या की आशंका जताई है। इसके बाद हाइवे पर अमलेटा फंटे पर स्वजन व अन्य लोगों ने जांच की मांग को लेकर चक्काजाम किया। इस दौरान लोगों की पुलिस से नोकझोंक भी हुई। पुलिस ने जांच का आश्वासन दिया है। जाम से आवागमन बाधित हुआ। जाम में अनेक वाहन फंस गए।जानकारी के अनुसार पुलिस जवान गुरुवार व शुक्रवार की दरमियानी रात हाईवे पर गश्त करते हुवे कांडरवासा फंटे की तरफ गए थे। तभी रात करीब दो बजे उन्हें हाईवे मार्ग पर ही एक जगह डिवाइडर के पास दो युवक मृत अवस्था में पड़े दिखाई दिए।युवकों की पहचान 29 वर्षीय केशव गुर्जर पुत्र विष्णु गुर्जर निवासी ग्राम सेमलिया और 30 वर्षीय गजेंद्र पुत्र पूनमचंद्र डोडिया निवासी ग्राम अमलेटा के रूप में हुई। सूचना मिलने और उनके स्वजन भी मौके पर पहुंचे।

चुनाव आचार संहिता में पांच हजार करोड़ का कर्ज लेगी मध्य प्रदेश सरकार

भोपाल । लोकसभा चुनाव की आचार संहिता में मध्य प्रदेश सरकार पांच हजार करोड़ रुपये का नया कर्ज लेगी। राज्य सरकार रिजर्व बैंक के मुंबई कार्यालय के माध्यम से 26 मार्च को तीन हिस्सों में कुल पांच हजार करोड़ रुपयों का कर्ज बाजार से लेगी। पहला कर्ज 20 साल के लिए दो हजार करोड़ रुपये का होगा। इसी तरह दो हजार करोड़ का दूसरा कर्ज 21 साल के लिए और एक हजार करोड़ रुपये का तीसरा कर्ज लिया जाएगा जो 22 साल में चुकाया जाएगा। तीनों ही कर्ज पर साल में दो बार ब्याज का भुगतान किया जाएगा।राज्य सरकार तीन माह (जनवरी-फरवरी) में साढ़े 15 हजार 500 हजार करोड़ रुपये कर्ज ले चुकी है। वर्तमान वित्त वर्ष में मध्य प्रदेश सरकार अब तक कुल 37 हजार 500 करोड़ रुपये का कर्ज ले चुकी है। अब पांच हजार करोड़ रुपये का नया कर्ज मिलाकर कुल कर्ज 42 हजार 500 करोड़ रुपये हो जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि भूमि की बढ़ी गाइडलाइन दरें एक अप्रैल से होगी लागू

इंदौर। जिले में अचल संपत्तियों की शासकीय गाइडलाइन को केंद्रीय मूल्यांकन समिति की मंजूरी के बाद पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। एक अप्रैल से नई दरें प्रभावी हो जाएंगी। जिले के 2400 क्षेत्रों में संपत्तियों की दरों में पांच से 118 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। इंदौर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि भूमि की दरों में भी बढ़ोतरी की गई है। यह बढ़ोतरी उन क्षेत्रों में हुई है, जहां पर गाइडलाइन से दोगुनी दरों पर रजिस्ट्रियां हो रही थीं।वित्तीय वर्ष 2024-25 में लागू होने वाली अचल संपत्तियों की शासकीय गाइडलाइन एक अप्रैल से प्रभावी होगी। जिले की कुल 5100 लोकेशन में से 2400 लोकेशन पर बढ़ोतरी होगी। उज्जैन रोड, बायपास, सुपर कारिडोर और निपानिया क्षेत्र में आने वाली कालोनियों के अलावा कृषि भूमि की गाइडलाइन दरों में भी बढ़ोतरी हुई है।वरिष्ठ पंजीयक दीपक शर्मा का कहना है कि केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड से अचल संपत्तियों के मूल्यांकन की नई गाइडलाइन 2024-25 एक अप्रैल से लागू करने के निर्देश मिले है। इसकी तैयारी विभाग ने पूरी कर ली है।अधिकारियों का कहना है कि गाइडलाइन का प्रस्ताव गत तीन साल के खरीदी-बिक्री के डाटा का आकलन कर तैयार किया गया है। जिले के कई क्षेत्रों में गाइडलाइन से अधिक दरों पर दस्तावेज पंजीकृत हुए हैं। इन क्षेत्रों में गाइडलाइन की बढ़ोतरी की गई है। वहीं 154 नई कालोनियों को भी इस बार गाइडलाइन में शामिल किया गया।

इंदौर में पानी का दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ निगम करेगा कार्रवाई

इंदौर। नगर निगम सीमा में पानी का दुरुपयोग रोकने के लिए निगम अब सख्त कदम उठाने जा रहा है। सड़क पर पानी बहाने वाले, कार धोने के नाम पर बेतहाशा पानी बर्बाद करने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की जाएगी। शहर में नलकूप पर रोक के बाद अब नगर निगम निर्माणाधीन बड़े प्रोजेक्ट के लिए उपचारित पानी के इस्तेमाल की अनिवार्यता भी लागू करने जा रहा है। महापौर परिषद सदस्य और जलकार्य समिति प्रभारी अभिषेक शर्मा बबलू ने बताया कि इसकी रणनीति तैयार कर ली गई है।22 मार्च को विश्व जल दिवस है। इंदौर शहर वर्ष 1966 में भीषण जलसंकट देख चुका है। उस वक्त हालात कितने भयावह थे यह इसी से समझा जा सकता है कि नर्मदा को 70 किमी दूर से इंदौर लाने के लिए हर इंदौरी सड़क पर उतर आया था। नर्मदा के तीन चरण इंदौर में पहुंचने के बावजूद हालात बहुत अच्छे नहीं हैं। दरअसल इसके पीछे जल दुरुपयोग एक बड़ी वजह है। एमआइसी सदस्य शर्मा ने बताया कि हमने जल संरक्षण को लेकर नई रणनीति तैयार कर ली है। बहुत जल्दी इसे लागू कर दिया जाएगा।

इंदौर से लक्ष्यद्वीप के लिए शुरू होगी उड़ान, 31 मार्च से इंडिगो करेगी संचालित

इंदौर। समुद्र और बीच का आनंद लेने के शौकीन इंदोरियों के लिए जल्दी इंदौर से लक्षद्वीप के लिए उड़ान शुरू होने वाली है। विमान कंपनी इंडिगो 31 मार्च से लक्षद्वीप के लिए उड़ान शुरू करेगी। यह उड़ान इंदौर से बेंगलुरु होते हुए अगाती द्वीप पहुंचेगी। वापसी में भी बेंगलोर होकर आना होगा। इंदौर से अगाती द्वीप जाने में 7.35 घंटे का समय लगेगा।लक्षद्वीप चारों ओर समुद्र से घिरा द्वीप है। पानी के मध्य स्थित यह द्वीप अपने खूबसूरत बीचों के लिए प्रसिद्ध है। इस द्वीप का एकमात्र हवाई अड्डा अगाती द्वीप पर बनाया गया हैं। अगाती के बीच पर दूर तक नीला पानी ही नजर आता हैं। इस वर्ष जनवरी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लक्षद्वीप की यात्रा की थी। इस यात्रा के अनुभव उन्होंने शेयर किए थे। प्रधानमंत्री ने समुद्र किनारे अपना समय बिताया और समुद्र किनारे जंगल की तस्वीरें सांझा की थी।इसके बाद से ही लक्षद्वीप जाने वालों की संख्या अचानक बढ़ गई। इंदौर से भी लक्षद्वीप जाने वाले लोग लगातार खोज कर रहे थे। ट्रैवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह जादौन का कहना है कि इंदौर से लक्षद्वीप के लिए लगातार इन्क्वायरी आ रही थी। प्रधानमंत्री की यात्रा के बाद लोग लक्षद्वीप जाना चाहते है। इस उड़ान से लोगों को सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। इसके लिए यात्रियों को इकानामी क्लास में 13 हजार 700 रुपये की कीमत चुकानी पड़ेगी।

संपत्ति प्राप्त करने के बाद संतान या रिश्तेदार नहीं कर रहे देखभाल तो आप वापस ले सकते हैं अपनी संपत्ति

इंदौर । देश में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या 14 करोड़ से ज्यादा है। कानूनन जिन व्यक्ति की आयु 60 वर्ष पूर्ण हो जाती है उन्हें वरिष्ठ नागरिक माना जाता है। वर्ष 2007 से पहले तक केवल सीआरपीसी की धारा 125 में प्रविधान था कि अगर माता-पिता का भरण पोषण उसकी संतान नहीं करती है तो ऐसे माता-पिता न्यायालय में भरण पोषण का प्रकरण प्रस्तुत कर भरण पोषण प्राप्त कर सकते थे।एडवोकेट वरुण रावल ने बताया कि कई बार वरिष्ठ नागरिकों की शिकायत रहती है कि उनके पुत्र-पुत्रियों द्वारा उनकी संपत्तियां अपने नाम करवाने के बाद माता-पिता की देखभाल नहीं कर रहे हैं। इस पर विधायिका द्वारा वर्ष 2007 में वरिष्ठ नागरिक अधिनियम बनाया गया। इसमें प्रविधान किया गया है कि अगर

माता-पिता की संपत्ति उपहार स्वरूप या किसी अन्य माध्यम से उनके पुत्र, पुत्रियां या अन्य रिश्तेदार अपने नाम करवा लेते हैं और इसके बाद वे वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण और देखभाल नहीं करते हैं तो वरिष्ठ नागरिकों को वैधानिक अधिकार दिया गया कि वे अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) के न्यायालय में आवेदन देकर उनके उत्तराधिकारी या अन्य रिश्तेदारों द्वारा अपने नाम करवाई गई संपत्ति को फिर से प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रविधान की विशेष बात यह है कि यह वर्ष 2007 से पूर्व हस्तांतरित की गई संपत्तियों पर लागू नहीं होता है।वरिष्ठ नागरिक स्वअर्जित संपत्तियों को अगर पुत्र, पुत्री या रिश्तेदारों के नाम उपहार या अन्य माध्यमों से हस्तांतरित करते हैं तो कानूनन वरिष्ठ नागरिकों को हस्तांतरण लेख में इस बात का उल्लेख करना चाहिए कि संपत्ति मिलने के पश्चात संपत्ति अपने नाम करवाने वाले पुत्र-पुत्री या रिश्तेदार वरिष्ठ नागरिकों के भरण पोषण और देखभाल की जिम्मेदारी ले रहे हैं।

इंदौर लोकसभा क्षेत्र में 51 प्रतिशत मतदाताओं की उम्र 40 साल से कम

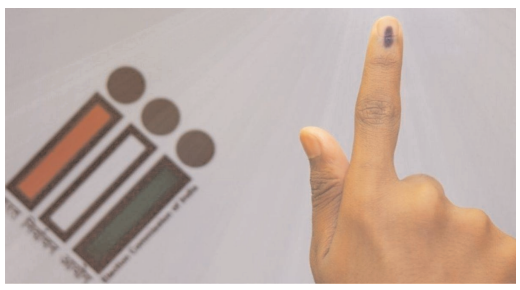

इंदौर । लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ ही चुनावी तैयारी शुरू हो चुकी है। इंदौर लोकसभा क्षेत्र में 51 प्रतिशत मतदाताओं की उम्र 40 साल से नीचे है। इसमें पहली बार मतदान करने वाले 18 से 19 साल के मतदाताओं की संख्या 61920 है, जबकि 20 से 39 साल की उम्र के मतदाताओं की संख्या 11.96 लाख है। इस बार चुनाव में ये मतदाता निर्णायक हो सकते हैं।इंदौर लोकसभा क्षेत्र में जिले की आठ विधानसभा क्षेत्र शामिल है। इनमें 25 लाख 13 हजार 191 मतदाता हैं। इसमें 12 लाख 68 हजार 93 पुरुष और 12 लाख 45 हजार एक महिला एवं 97 थर्ड जेंडर मतदाता है। जिले की विधानसभा क्षेत्र महू धार लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है।इंदौर लोकसभा क्षेत्र में 12.59 लाख मतदाताओं की उम्र 40 साल से कम है। इसमें 18-19 वर्ष आयु वर्ग में 61920, 20-29 वर्ष आयु वर्ग में 5.26 लाख और 30-39 वर्ष आयु वर्ग में 6.71 लाख मतदाता है। वहीं शेष 12.53 लाख मतदाता 40 से 110 वर्ष आयु वर्ग में शामिल हैं।इंदौर लोकसभा क्षेत्र में 100 से 110 साल अधिक की उम्र के मतदाता भी है। 163 मतदाताओं की उम्र 100-109 साल के बीच है। तीन मतदाताओं की उम्र 110 वर्ष से अधिक है। चुनाव आयोग ने इस बर्ष 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं को डाक मतपत्र से मतदान का अवसर किया है। वहीं विधानसभा चुनाव में 80 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को यह अधिकार प्राप्त था।इंदौर जिले की महू विधानसभा क्षेत्र के 2 लाख 82 हजार 560 मतदाता धार लोकसभा क्षेत्र में मतदान करेंगे। यहां 18-19 वर्ष आयु वर्ग के 8851 मतदाता हैं। 20 से 40 साल की उम्र के मतदाताओं की संख्या एक लाख 44 हजार 647 है। महू विधानसभा क्षेत्र में एक लाख 43 हजार 73 पुरुष, एक लाख 39 हजार 482 महिला तथा 5 थर्ड जेंडर मतदाता हैं।

आत्मनिर्भर गोशाला और पर्यावरण संरक्षण की भावना से इंदौरी जलाएंगे कंडों से होली

इंदौर। स्वच्छता में नंबर वन इंदौर एक बार फिर गो-शालाओं को आत्मनिर्भर और पर्यावरण संरक्षण की भावना से फाल्गुन पूर्णिमा पर 24 मार्च को होलिका दहन करेगा। पिछले वर्षों की तरह इस बार भी इंदौर जिले की गोशालाओं ने इसके लिए खास व्यवस्था की है। होलिका दहन के लिए गोशालाओं में तीन लाख से अधिक कंडे तैयार किए गए हैं। इंदौर जिले में करीब 3 हजार स्थानों में होने वाली होलिका दहन में इनका उपयोग तो जंगल कटने से बचेंगे और पर्यावरण को होने वाले नुकसान सीमित होगा।गोसेवा विभाग संयोजक मनोज तिवारी का कहना है कि गोसेवा भारती पिछले 9 साल से इसके लिए लोगों को प्रेरित कर रही है। एक गाय रोज करीब 10 किलो गोबर देती है। 10 किलो गोबर को सुखाकर 5 कंडे बनाए जा सकते हैं। एक कंडे की कीमत 15 रुपये होती है। इसमें 4 रुपये कंडे बनाने वाले को, 3 रुपये ट्रांसपोर्टर को और 8 रुपये गोशाला को मिल सकते हैं।यदि लकड़ी के बजाय 10 लाख कंडों का उपयोग होता है तो 1 करोड़ रुपये गोशालाओं तक पहुंचेंगे। औसतन गौशाला के हिस्से में बगैर किसी अनुदान के 60 लाख रुपये तक आ जाएंगे। होलिका दहन समितियों को भी लकड़ी की तुलना में लोगों को कंडे सस्ते भी पड़ेंगे। इस अभियान में जुड़कर कई संगठन गोबर के कंडों का वितरण भी कर रहे हैं।

माता-पिता के ठहरने पर भी देना पड़ता है पहचान पत्र, ब्वायज हास्टल में रुकवाया लड़की को

इंदौर। छात्रा के अपहरण की गुत्थी सुलझने के बाद कई तथ्य सामने आए हैं। जहां हास्टल के एक ही कमरे में छात्रा और ब्वायफ्रेंड ठहरा था। पुलिस जांच में दोनों की लोकेशन अलग-अलग हास्टल में मिली है।नियमानुसार हास्टल में विद्यार्थी के माता-पिता व स्वजन को ठहरने के लिए भी पहचान पत्र दिखाना होता है। वैसे ब्वायज हास्टल में लड़की और गर्ल्स हास्टल में लड़कों को रुकने की अनुमति नहीं रहती है। प्रशासन ने हास्टल चलाने के लिए नियम बना रखे हैं। हास्टल संचालक थोड़े से मुनाफे के चलते धज्जियां उड़ते रहते हैं। वहीं जिम्मेदार अफसर हास्टलों का दौरा नहीं करते हैं। इस कारण संचालकों की लापरवाही बढ़ने लगी है।इंदौर में सात हजार से ज्यादा गर्ल्स व ब्वायज हास्टल हैं। नियमानुसार गर्ल्स हास्टल में लड़कों को और ब्वायज हास्टल में लड़कियों को ठहरने की अनुमति नहीं है। यहां तक कि माता-पिता को ठहराने के लिए भी पहचान पत्र देना होता है। यह व्यवस्था सिर्फ लड़कियों के छात्रावास में रहती है। वैसे भी लड़कों के रूम में किसी भी लड़की का प्रवेश नहीं रहता है। यहां हास्टल संचालक की बड़ी लापरवाही सामने आई है।हर साल शिक्षा सत्र शुरू होने से पहले हास्टल को लेकर गाइडलाइन बनाई जाती है। प्रशासनिक अधिकारी इसके लिए हास्टल एसोसिएशन के पदाधिकारियों से चर्चा भी करते हैं, मगर दिशा-निर्देश सिर्फ बैठक तक सिमट कर रह जाते हैं। वैसे हास्टल की गतिविधियों को लेकर बीते कुछ सालों से रहवासी भी विरोध करते हैं। इसके लिए बार-बार नियम भी बदलते हैं,

मगर इनका पालन करता एक भी हास्टल नजर नहीं आता है। छात्रा काव्या धाकड़ के अपहरण के दौरान भी यह लापरवाही सामने आई है। जहां बिना पहचान पत्र जमा करवाए काव्या और उसके ब्वायफ्रेंड को ठहराया गया, जो बिलकुल गलत था, क्योंकि लड़कों के हास्टल में लड़की नहीं रुक सकती है।अपहरण की साजिश कर रुपये मांगने वाली छात्रा का तीसरे दिन भी पता नहीं चला। राजस्थान पुलिस भंवरकुआं क्षेत्र के हास्टल और बाहरी क्षेत्र के होटल, ढाबों पर छानबीन कर रही है। पुलिस मदद करने वाले छात्र ब्रजेंद्र से भी पूछताछ कर रही है। बैराड़ (शिवपुरी) निवासी 20 वर्षीय नीट की तैयारी करने वाली छात्रा काव्या धाकड़ ने नीट की तैयारी कर रहे छात्र हर्षित के साथ मिलकर अपहरण की साजिश की थी। उसने हाथ पैर बांधकर फोटो खिंचवाए। काव्या के पिता रघुवीर धाकड़ को भेज कर 30 लाख रुपये मांगे। विज्ञान नगर (कोटा) पुलिस और अपराध शाखा ने जांच की तो पता चला फोटोग्राफी भोलाराम उस्ताद मार्ग स्थित सिमरन हास्टल (पीजी) में हुई थी।नीट की तैयारी करने वाला छात्र ब्रजेंद्र प्रताप अहिरवार (सागर) उनकी मदद कर रहा था। पुलिस ने ब्रजेंद्र को पकड़ लिया, लेकिन काव्या और हर्षित का सुराग नहीं मिला। दोनों मंगलवार रात अंतिम बार सर्वानंद नगर के दीक्षा होस्टल के बाहर देखे गए। पुलिस के मुताबिक काव्या और हर्षित के पास रुपये नहीं हैं। इससे आशंका है कि दोनों सस्ते लाज में रुक सकते हैं। कोटा पुलिस हास्टल, होटल, लाज और ढाबों पर छानबीन कर रही है।

जिला के समस्त शस्त्र लायसेंसधारियों के शस्त्र लायसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित

जिला मजिस्ट्रेट नीरज कुमार सिंह ने जारी किए आदेश

उज्जैन / भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 की घोषण के साथ ही आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई है। जिले में निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण रूप से स्वतंत्र, स्वच्छ, निर्विवध्न एवं शांतिपूर्ण ढंग से संचालित कराने को दृष्टिगत रखते हुए जिला दण्डाधिकारी उज्जैन श्री नीरज कुमार सिंह द्वारा आदेश जारी कर शस्त्र अधिनियम 1959 केतहत जिले के समस्त शस्त्र लायसेंसधारियों के शस्त्र लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

जारी आदेशानुसार कोई भी व्यक्ति निर्वाचन की संपूर्ण प्रक्रिया समाप्त होने तक अस्त्र-शस्त्र का प्रयोग व उपयोग नहीं करेगा। समस्त शस्त्र अनुज्ञप्तिधारी आदेश जारी होने के 03 दिवस में अपने-अपने शस्त्र सम्बन्धित पुलिस थाने में जमा कराएगें। थाने में शस्त्र जमा करने की स्थिति में संबंधित थाना प्रभारी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारी को शस्त्र जमा करने की पावती प्रदान करेंगे।अनुज्ञप्तिधारी शस्त्र डीलर के पास शस्त्र जमा करने की स्थिति में डीलर द्वारा शस्त्र जमाकर्ता को शस्त्र जमा करने की रसीद प्रदान की जाएगी, जिसकी छायाप्रति शस्त्र अनुज्ञप्तिधारी द्वारा संबंधित थाने में शस्त्र जमा करने के प्रमाण के रूप में प्रस्तुत की जाएगी। सभी अनुज्ञप्तिधारी शस्त्र डीलर शस्त्र जमा करने वाले अनुज्ञप्तिधारियों की सूची संबंधित थाने एवं इस कार्यालय की शस्त्र शाखा में 07 दिवस में प्रस्तुत करेंगे। निर्वाचन अवधि में अनुज्ञप्तिधारी शस्त्र विक्रेता किसी को भी अस्त्र-शस्त्र एवं कारतूस का क्रय-विक्रय नहीं करेंगे एवं आदेश जारी होने के दिनांक से अंतिम स्टॉक की जानकारी संबंधित पुलिस थाने एवं इस कार्यालय में प्रस्तुत करेंगे।

सभी अनुविभागीय दण्डाधिकारी, नगर पुलिस अधीक्षक/अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अपने क्षेत्रान्तर्गत आने वाले अनुज्ञप्तिधारी शस्त्र डीलर्स का प्रति सप्ताह में संयुक्त भौतिक सत्यापन करेंगे।अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा जमा शस्त्र सुरक्षित स्थिति में रखने का दायित्व संबंधित जमाकर्ता का होगा। लोकसभा निर्वाचन 2024 की प्रक्रिया पूर्ण होने एवं आदर्श आचार सहिता समाप्त होने के 15 दिवस पश्चात संबंधित थाना प्रभारी /वैध शस्त्र डीलर जमा शस्त्र को संबंधित अनुज्ञप्तिधारियों को पुनः लौटायेगे।

कानून व्यवस्था के संधारण, निर्वाचन एवं सुरक्षा प्रक्रिया में संलग्न कर्मचारियों जैसे आर्मी, बीएसएफ, एसएएफ, पुलिस, होमगार्ड, केन्द्रीय एवं राज्य के सशस्त्र बल, मान्यता प्राप्त विलय संस्था एवं बैंकों की सुरक्षा में संलग्न लायसेंसधारियों, चुनाव कार्य में संलग्न कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं न्यायिक सेवा के अधिकारीगण अन्तराष्ट्रीय/राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय प्रतियोगीता में विगत 3 वर्षों में सहभागीता रही हो वे इस आदेश से मुक्त रहेंगे।

पुलिस अधीक्षक, जिला उज्जैन के प्रमाणीकरण उपरान्त नेशनल रायफल एसोसिएशन के सदस्यों एवं पाब्लिक सेक्टर यूनिट में सुरक्षा के लिए तैनात सुरक्षाकर्मी व सुरक्षा प्राप्त प्रतिष्ठित व्यक्तियों को आवश्यक छूट प्रदान की जा सकेगी। बैंक, एटीएम एवं बैंक कैश वेन की सुरक्षा में लगे लाईसेसधारी सुरक्षा गार्ड को संबंधित बैंक के प्रबंधक द्वारा बैंक के लेटरपेड पर प्रमाणीकरण उपरान्त संबंधित थाना प्रभारी को प्रस्तुत करने पर शस्त्र को जमा से छूट रहेगी। इसके अतिरिक्त अगर किसी व्यक्ति विशेष की सुरक्षा को गंभीर खतरा है तो ऐसी स्थिति में उसके द्वारा जिला स्तरीय स्क्रीनिंग समिति के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया जा सकेगा, जिसका निराकरण समिति द्वारा किया जायेगा।

अवकाश के दिन जमा नहीं होंगे नाम निर्देशन पत्र

उज्जैन / मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया है कि जिला निर्वाचन कार्यालयों में अवकाश के दिन नाम निर्देशन पत्र जमा नहीं होंगे। उन्होंने बताया कि 20 मार्च 2024 से प्रदेश में लोकसभा निर्वाचन के पहले चरण के लिए नाम निर्देशन भरने की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। दिनांक 23 मार्च को चतुर्थ शनिवार (निगोशिएबल इन्स्ट्रूमेंट एक्ट) के तहत अवकाश होने एवं 24 और 25 मार्च को सार्वजनिक अवकाश होने से इन दिनों में नाम निर्देशन पत्र जमा नहीं होंगे।

प्रथम चरण के लिए नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने की अंतिम तारीख 27 मार्च है।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने बताया कि लोकसभा-2024 का चुनाव लड़ने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निक्षेप राशि (जमानत राशि) निर्धारित की गई है। अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थी को 25 हजार रूपये और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी को 12 हजार 500 रुपये की निक्षेप राशि जमा करानी होगी।

लोकसभा निर्वाचन में अभ्यर्थी अधिकतम 95 लाख रुपये का व्यय कर सकेंगे

अभ्यर्थी को निर्वाचन व्यय के लिये पृथक से बैंक खाता खोला जाना अनिवार्य होगा

उज्जैन। लोकसभा निर्वाचन-2024 की पूर्व तैयारियों के अनुक्रम में गत दिवस राजनैतिक दल के प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें उपस्थित प्रतिनिधियों को निर्वाचन आयोग के निर्वाचन व्यय लेखांकन एवं संधारण के सम्बन्ध में निर्देशों से विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। जानकारी में बताया गया कि लोकसभा निर्वाचन में निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों के लिये निर्वाचन व्यय की अधिकतम सीमा 95 लाख रुपये रहेगी। व्यय का लेखांकन संसदीय क्षेत्र के लिये निर्वाचन सामग्रियों की निर्धारित मानक बाजार दर आयोग के निर्देशों के अनुसार किया जायेगा। अभ्यर्थी का निर्वाचन व्यय के लिये पृथक से बैंक खाता खोला जाना अनिवार्य होगा।

व्यय लेखा प्रबंधन के नोडल अधिकारी श्री पवन कुमार चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि निर्वाचन आय-व्यय सम्बन्धी समस्त लेनदेन निर्वाचन के लिये खोले गये पृथक से बैंक खाते के माध्यम से किया जाना अनिवार्य होगा। कोई भी अभ्यर्थी समस्त निर्वाचन अवधि के दौरान एक व्यक्ति या इकाई से अधिकतम 10 हजार रुपये का नगद लेनदेन कर सकते हैं। प्रचार-प्रसार के लिये वाहन रैली आदि की पूर्व अनुमति ली जाना आवश्यक होगा। संसदीय क्षेत्र उज्जैन में आठ खण्ड क्षेत्र हैं, जिनके लिये पृथक-पृथक निगरानी दलों का गठन किया गया है। निगरानी दल अभ्यर्थी/राजनैतिक दलों द्वारा किये जाने वाले व्यय पर पैनी निगाह रखेगी। प्रशिक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्री एमएस कवचे जिला स्तरीय दल की श्रीमती लक्ष्मी परमार, श्री जीवन देथलिया प्रशिक्षण श्री आरएस राठौर प्राध्यापक द्वारा दिया गया।

जिला मजिस्ट्रेट नीरज कुमार सिंह ने धारा 144 के तहत जारी किए प्रतिबंधात्मक आदेश

सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना सभा, धरना प्रदर्शन, जुलूस, वाहन / साधारण रैली के आयोजन पर रहेगा प्रतिबंध ,फेसबुक, ई-मेल, व्हाट्सएप एवं अन्य प्रकार के संचार साधनों में आपत्तिजनक पोस्ट पर भी रहेगा प्रतिबंध

उज्जैन/ भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 की घोषणा के साथ ही जिला उज्जैन में आदर्श आचरण संहिता लागू हो गई है। लोकसभा निर्वाचन की गतिविधियों की प्रक्रियाओं को व्यवस्थित, स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्विघ्न रूप से संपन्न करने, कानून व्यवस्था बनाए रखने, मानव जीवन की सुरक्षा, लोक शांति बनाए रखने के लिए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री नीरज कुमार सिंह ने दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत उज्जैन जिले की संपूर्ण राजस्व सीमाक्षेत्र में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं।

जारी आदेशानुसार सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना एक स्थान पर एक समय में 5 या 5 से अधिक व्यक्ति एकत्रित नही होंगे। कोई भी व्यक्ति, समूह, संस्था या अन्य, सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार के धारदार या अन्य हथियार, आग्नेय शस्त्र, हॉकी, डण्डा, रॉड इत्यादि लेकर नहीं चलेगा अथवा दुरूपयोग नहीं करेगा और न ही प्रदर्शन करेगा। किसी भी प्रकार के उत्सव व समारोह में हवाई फायर वर्जित रहेंगे। कोई भी व्यक्ति, समूह, संस्था या अन्य, सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना किसी भी स्थान पर सभा, धरना प्रदर्शन,

जुलूस, वाहन / साधारण रैली आदि का आयोजन नहीं करेगा। शासकीय/अशासकीय स्कूल मैदान/भवन, शासकीय कार्यालय के परिसर पर किसी भी प्रकार की राजनैतिक गतिविधि पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी। कोई व्यक्ति, संस्था, समूह या अन्य या डी.जे. अथवा बैण्ड का संचालक सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना बैण्ड डी.जे./ ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग नहीं करेगा। प्रत्येक को म.प्र. कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 तथा ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) (संशोधन) नियम 2010 के प्रावधानों का पूर्ण पालन करना आवश्यक होगा।कोई व्यक्ति, संस्था, समूह या अन्य कोई भी धरना, जुलूस, प्रदर्शन, सभा या रैली आदि में एसिड, पेट्रोल, केरोसिन आदि ज्वलनशील पदार्थ अपने पास नहीं रखेगा या लेकर नहीं चलेगा या उपयोग नहीं करेगा। किसी भी प्रकार के धरना, जुलूस, प्रदर्शन, सभा या रैली आदि में पटाखे/विस्फोटक सामग्री का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। वैध अनुज्ञप्तिधारी को छोड़कर कोई भी व्यक्ति बारूद/पटाखों का संग्रहण, निर्माण या परिवहन नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति, संस्था, समूह या अन्य, किसी भी स्थान पर किसी भी प्रयोजन हेतु सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना टेंट, पांडाल आदि का स्थाई या अस्थाई निर्माण नहीं करेगा।

कोई भी व्यक्ति, समूह, संस्था या अन्य पक्ष किसी भी सड़क, रोड़, रास्तों, हाईवे आदि पर एकत्रित होकर यातायात में व्यवधान नहीं करेंगे या किसी अन्य प्रकार से कोई रुकावट उत्पन्न नहीं करेंगे या किसी व्यक्ति को आने जाने एवं उसके कार्य करने से नहीं रोकेंगे। कोई भी व्यक्ति, समूह, संस्था या ग्रुप एडमिन या अन्य सोशल मीडिया/इलेक्ट्रानिक संसाधन जैसे मोबाईल, कम्प्यूटर, फेसबुक, ई-मेल, व्हाट्सएप एवं अन्य प्रकार के संचार साधनों पर किसी दल, धर्म, जाति, सम्प्रदाय, संस्था, व्यक्ति विरोधी एवं आम लोगों की भावना भड़काने व कानून व्यवस्था की विपरित स्थिति निर्मित करने वाले आपत्तिजनक मेसेज/चित्र/कमेंट/बैनर / पोस्टर आदि अपलोड नहीं करेगा।

मतदान की तिथि पर मतदान केन्द्र में एवं मतगणना के दिन मतगणना स्थल पर एवं इन स्थानों की निर्धारित परिधि में सेल्युलर फोन का उपयोग नहीं किया जा सकेगा और न ही कोई व्यक्ति सेल्युलर फोन रख सकेगा। कोई भी व्यक्ति किरायेदार रखेगा उसकी सूचना तत्काल संबंधित थाना प्रभारी को देगा।समस्त होटल, लॉज एवं धर्मशाला के संचालक इनमें ठहरने वाले व्यक्तियों की जानकारी संबंधित थाने में प्रतिदिन दर्ज करावेंगें।

कानून व्यवस्था बनाए रखने के उपाय सुनिश्चित करने की दृष्टि से शासकीय कर्तव्य पर उपस्थित एवं निर्वाचन कार्य में ड्यूटीरत पुलिसकर्मियों एवं पुलिस अधिकारियों तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के लिए कतिपय निर्देश लागू नहीं होंगे तथा सिख धर्म के अनुयायियों व विवाह समारोह के दुल्हा-दुल्हन को कटार धारण करने की छूट रहेंगी। किसी भी कार्यक्रम, सभा, आमसभा आदि की अनुमति जारी करने के लिए संपूर्ण जिला सम्मिलित होने पर अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी उज्जैन तथा अनुविभाग एवं विधानसभा क्षेत्र में संबंधित अनविभागीय दंडाधिकारी/ सहायक रिटर्निंग अधिकारी को सक्षम अधिकारी नियुक्त किया गया हैं। उक्त सक्षम अधिकारी परिस्थितियों अनुसार आवश्यक सशर्त एवं प्रत्येक आयोजन की पृथक-पृथक अनुमतियां जारी कर सकेंगे।

सम्पूर्ण उज्जैन जिले की राजस्व सीमाओं को आगामी आदेश तक साईलेन्स झोन घोषित

उज्जैन / भारत निर्वाचन आयोग के लोकसभा निर्वाचन 2024 की घोषणा के साथ ही जिला उज्जैन में आदर्श आचरण संहिता लागू हो गई है। लोकसभा निर्वाचन निर्विघ्न, शांतिपूर्वक व व्यवस्थित तरीके से सम्पन्न करवाने, कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा ध्वनि प्रदूषण को रोकने की दृष्टि से कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट उज्जैन श्री नीरज कुमार सिंह ने लोकहित में मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम-1985 की धारा-18 के तहत सम्पूर्ण उज्जैन जिले की राजस्व सीमाओं को आगामी आदेश तक कोलाहल नियंत्रण क्षेत्र (साईलेन्स झोन) घोषित किया हैं ।जारी आदेशानुसार संपूर्ण जिले में रात्रि 10.00 बजे से प्रातः 6.00 बजे तक लाउड स्पीकर एवं ध्वनि विस्तार यंत्रों का सार्वजनिक उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।सक्षम अधिकारी की अनुमति प्राप्त कर प्रातः 6.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम-1985 तथा ध्वनि प्रदूषण (विनियम और नियंत्रण) नियम 2000 के प्रावधान का अनुसरण कर ध्वनि मानक 10 डेसीबल या कुल क्षमता का 1/4 वाल्यूम में से जो कम हो पर ध्वनि विस्तार यंत्रों का उपयोग किया जाएगा। धोनी विस्तारक यंत्र के प्रयोग में संपूर्ण जिला सम्मिलित होने पर अनुमति देने के लिए अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी उज्जैन द्वारा तथा संबंधित अनुभाग और विधानसभा क्षेत्र में अनविभागीय दंडाधिकारी/ सहायक रिटर्निंग अधिकारी द्वारा दी जाएगी।

सम्पादकीय

निष्पक्ष जांच की जरूरत

देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के प्रमुख नेताओं ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सरकार पर जो आरोप लगाए, वे गंभीर हैं। हालांकि विपक्षी पार्टी होने के नाते कांग्रेस सरकार पर तमाम तरह के आरोप लगाती रहती है, फिर भी देश में चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और प्रामाणिकता पर सवाल उठाने वाले इन आरोपों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए।आरोपों की गंभीरता इसे सार्वजनिक करने के पार्टी के अंदाज से भी झलकती है। यह पहला मौका है जब पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी व राहुल गांधी ने एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। आम चुनावों की घोषणा के बाद चुनावी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस बीच, देश की मुख्य विपक्षी पार्टी आरोप लगाए कि उसे चुनाव लड़ने और प्रचार करने की स्थिति में नहीं छोड़ा जा रहा तो उस पर पूरी तस्वीर साफ होनी चाहिए।यह बात सही है कि लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तकरार कोई नई चीज नहीं है। लेकिन मतभेदों के बीच भी सत्तापक्ष और विपक्ष में संवाद की निरंतरता लोकतंत्र की सेहत के लिए जरूरी मानी जाती है। अफसोस की बात है कि कुछ समय से दोनों के बीच का टकराव संवाद को बाधित करने की हद तक पहुंच गया है।कांग्रेस नेताओं ने गुरुवार को जो आरोप लगाए, उनमें तल्खी थी। पार्टी ने कहा कि आयकर विभाग के अधिकारियों के जरिए सरकार ने मुख्य विपक्षी पार्टी को वित्तीय तंगी के उस हाल में पहुंचा दिया है कि वह न तो कहीं विज्ञापन दे सकती है, न अपने नेताओं के लिए हवाई यात्रा के टिकट बुक कर सकती है और न ही रैलियां आयोजित कर सकती है।हालांकि ये सब अभी महज एक पार्टी के आरोप मात्र हैं। इन पर सत्तारूढ़ दल, सरकार और संबंधित विभागों व उनसे जुड़े अधिकारियों का अपना पक्ष है। किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले इन सभी पक्षों पर अच्छी तरह गौर करने की जरूरत है। लेकिन यह समझना जरूरी है कि किसी को लोकतांत्रिक व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने या चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को प्रभावित करने की छूट नहीं दी जा सकती।अगर कांग्रेस के खाते में कोई गड़बड़ी है तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी ही चाहिए, लेकिन वह इस तरह से हो कि चुनाव लड़ने की प्रक्रिया पर प्रभाव न पड़े। किसी भी तरह से यह संदेश न जाए कि किसी विभाग के अफसर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से विपक्षी दल को निशाना बना रहे हैं। याद रहे कि इस तरह के कदम दुनिया में एक लोकतंत्र के रूप में भारत की साख को प्रभावित कर सकते हैं।

होली के बाद बुध चलेंगे उल्टी चाल, इन राशियों को कर देंगे पैसे के लिए मोहताज

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, 2 अप्रैल को बुध ग्रह मेष राशि में वक्री होंगे। बुध के वक्री चाल से सभी राशियों के जीवन पर प्रभाव दिखाई देगा। इस दौरान कुछ राशि के जातकों को प्रेम जीवन में खुशियां मिलेंगी, तो कुछ लोगों को करियर में प्रगति होगी। हालांकि कुछ राशिवालों के लिए बुध का वक्री आर्थिक संकट लेकर आ सकता है।मेष राशि-मेष राशि के जातकों को सतर्क रहने की जरूरत है। इस दौरान अचानक खर्चे बढ़ सकते हैं। आपकी आमदनी प्रभावित होगी। इस अवधि में निवेश न करने की सलाह की जाती है। वृषभ राशि-बुध के वक्री होने पर वृषभ राशिवालों को आर्थिक स्थिति पर विशेष ध्यान देना होगा। खर्चे आपको तनाव में डाल सकते हैं। फिजूलखर्ची से बचना होगा। धन हानि की स्थिति भी बनी हुई है। वृश्चिक राशि-इस राशि के जातकों को पैसों को लेकर थोड़ा संभलकर चलने की जरूरत है। आर्थिक जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है। बुध के प्रभाव से खर्चों को संभाल पाना मुश्किल हो सकता है। मकर राशि-इस राशि के व्यापारियों के लिए मुनाफा कमाना मुश्किल होगा। आपको टारगेट पूरा करने में परेशानी आ सकती है। कम मुनाफा की वजह से आर्थिक बोझ बढ़ सकता है। धनु राशि-बुध के वक्री होने पर धनु राशिवालों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। खर्चे इतने बढ़ जाएंगे कि संभालना मुश्किल होगा। पैसों की कमी के कारण तनाव बढ़ सकता है। अगर शेयर मार्केट में निवेश करते हैं तो समय थोड़ा अनुकूल रहेगा।

ताली-थाली और लॉकडाउन से सब कुछ ठहर जाने के 68 दिन

कोरोना के कारण देश दुनिया में सब कुछ थम जाने का दौर आज तो ना भूतो ना भविष्यती जैसा लग रहा है पर जिन्होंने कोरोना की भयावहता से गुजरने वालों के लिए आज भी यह किसी इतिहास की अब तक की किसी त्रासद घटना से कम नहीं है। जब रक्त बीज की बात की जाती है तो कपोल कल्पना से कम नहीं लगती पर जिन्होंने कोरोना का नजदीक से देखा और भुगता है वह जानते हैं कि राक्षस रक्त बीज से कम नहीं था कोरोना वायरस। रक्त बीज में भी तो यही है कि उसके रक्त की बूंद जहां भी गिरेगी वहीं नया राक्षस पैदा हो जाएगा। लगभग यही कुछ देखा है देश दुनिया के लोगों ने कोरोना काल में। गरीब हो या अमीर, साधन संपन्न हो या साधन विहीन, झोपड़ी वासी हो या महल में निवास करने वाला, लगभग सभी कोरोना के उस दौर में घर की चार दीवारी में बंद हो कर रह गए। कोविड 19 से दुनिया में सब कुछ थमा कर रख दिया। हालात ही ऐसे थे। संपर्क ही जान लेवा बन रहा था। सेनेटाइजर, मास्क, डिस्टेंस, चार दीवारी, क्वरंटाइन और बस यही कुछ देखने सुनने को मिलता था तो अस्पतालों में कोरोना के कारण होने वाली क्या अपने क्या पराये की मौत। हालात लगभग सारी दुनिया में ऐसे ही रहे। 2019 में चीन से सारी दुनिया को अपने आगोश में लेने वाले कोरोना का हमारे देश में चीन के बुहान से केरल के रास्ते 30 जनवरी, 20 को प्रवेश हुआ और 24 मार्च 2020 जिस दिन से लॉकडाउन की शुरुआत हुई उस दिन तक कोरोना पोजेटिव के 519 मामलें सामने आ चुके थे और 19 लोग कोरोना के कारण अपनी जान गंवा चुके थे। कोरोना के जनता कर्फ्यू और लॉकडाउन को चार साल पूरे होने जा रहे हैं पर 24 मार्च को लॉकडाउन का दिन याद करके आज भी सिहरन उठ जाती है। 22 मार्च को 14 घंटे का जनता कर्फ्यू और 22 मार्च को ही सायंकाल ताली, थाली, घंटी बजाने के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्ववान को भरपूर समर्थन मिला पर लोग उस समय तक कोरोना की भयावहता को लेकर इतने गंभीर

नहीं दिखे। लोगों ने ताली थाली के आह्वान का मखौल भी उड़ाया और हालात की भयावहता को समझ नहीं पाये। इसे पोंगा पंथी और ना जाने क्या क्या कहा जाने लगा। इसके बाद ज्योंही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से मुखातिब होते हुए 25 मार्च से 14 अप्रैल तक के देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की तो एक बार तो सब सकते में ही आ गये ।पर जिस तरह से लॉकडाउन के बावजूद कोरोना के मामलें दिन दूने रात चौगुने होने लगे और कोरोना पीड़ित अपनों से ही दूर होते गए तब इसकी भयावहता को समझा जाने लगा। सरकार ने बार बार सेनेटाइजर के उपयोग, मास्क के लगातार उपयोग और दूरी का संदेश दिया उसका असर आज समझ में आने लगा है। सरकार एसओपी जारी कर हालात को काबू में करने में जुट गई। चिकित्सकों, चिकित्साकर्मियों, पेरा मेडिकल स्टॉफ ने जान की वाजी लगा कर सेवा में जुट गए। हालात यहां तक देखे गए कि सेवा में लगे लोग में मौत का ग्रास बनने लगे। दूसरी लहर आते आते तो हालात यहां तक बदतर हो गए कि अस्पतालों में जीवन रक्षक वेंटिलेटर और ऑक्सीजन की उपलब्धता की दिक्कत आ गई। यह सब तो एक और वहीं दूर दराज में रहने वाले लोग जो भी साधन मिला यहां तक कि पैदल ही परिवार के साथ काम धंधा छोड़कर अपने गांव की और रुख करने लगे और हजारों किलोमीटर पैदल ही निकल पड़े। सरकार के सामने इन लोगों के लिए यात्रा के दौरान खाने पीने ठहरने और नियत स्थान तक पहुंचाने की समस्या हो गई वह अलग। इसी तरह से विदेशों में अध्ययन कर रहे या रह रहे लोगों को सुरक्षित लाना भी सरकार के सामने किसी चुनौती से कम नहीं था। अखबारों में आक्सीजन की कमी, वेंटिलेटर के अभाव में अस्पताल परिसर या सड़क पर ही दम तोड़ते लोगों, अंतिम क्रिया तक में शामिल नहीं होने तक का दुख जैसे कई अनुभव इस दौरान देखने को मिले। बीस-पचास आदमियों में शादी की कल्पना को भी इसी दौरान साकार होते देखा गया। शुरुआती दौर में तो कोरोना वैक्सिन की बात करना ही दूर की बात थी तो बाद में वैक्सिन के पहले दौर के दौरान जिस तरह से वैक्सिन को भी राजनीति की भेंट चढ़ाने के प्रयास हमने देखे हैं। खैर यह दूसरी बात है कि देशवासियों को निःशुल्क कोरोना वैक्सिनेशन की दो डोज और दुनिया के देशों को वैक्सिन उपलब्ध कराने की हमारी पहल को सारी दुनिया ने सराहा।खैर यह तो तस्वीर का एक पहलू रहा। दरअसल मुद्दे की बात यह है कि आज भले ही हम लॉकडाउन की चार साल की बात कर रहे हैं पर 68 दिन का यह लॉकडाउन ही कोरोना में सही मायने में जीवनदायी सिद्ध हो सका। 25 मार्च से 14 अप्रैल, फिर 15 अप्रैल से 3 मई, उसके बाद 4 मई से 17 मई और फिर 18 मई, 20 से 31 मई, 20 तक के 68 दिन घर की चार दीवारी में बंद रहकर गुजारने का अलग ही अनुभव रहा है। वर्क फ्रॉम होम से लेकर ऑनलाइन स्टडी तक का यह दौर रहा और आज भी भले ही कम हो गया हो पर ऑनलाइन स्टडी व वर्क फ्रॉम होम कमोबेस चल रहा है। हांलाकि कोरोना काल को भी लोगों ने भुनाने में कोई कमी नहीं छोड़ी, वेंटिलेटर बेड और आक्सीजन सिलेण्डर, कंसरट्रेटर, ऑक्सीजन बेड और दवाओं की कालाबाजारी भी खूब देखने को मिली। खैर मानवता के दुश्मन तो हर युग में रहते आये हैं। ऐसा नहीं है कि लॉकडाउन का दौर हमने ही देखा हो अपितु दुनिया के अधिकांश देशों में लॉकडाउन रहा और लॉकडाउन के माध्यम से ही कोरोना के फैलाव को रोकने के प्रयास सफल हो सके। भूलना नहीं चाहिए कि इंग्लेण्ड के तत्कालीन प्रधानमंत्री को कोरोना प्रोटोकाल की पालना में कोताही के कारण ही भले ही उन्होंने लाख सफाई दी, अपनी प्रधानमंत्री की कुर्सी से हाथ धोना पड़ा। कोरोना प्रभावित की सूचना पर जिस तरह से उस घर से प्रभावित को अस्पताल ले जाते थे व घर के बाहर नोटिस चस्पा करने और अलग थलग होने के हालात कितने त्रासद होते थे यह कल्पना का विषय ही है। मामूली बुखार व संभावना पर ही घर में ही अलग थलग क्वारंटाइन होने को भुगतने वाले ही जानते हैं। दिन रात मौत का भय उस व्यक्ति या परिवार से पूछा जाए जो इन हालातों से गुजरे हैं।एक बात साफ हो जानी चाहिए कि कोरोना के कारण 30 जनवरी, 2020 से 5 मार्च, 24 तक भारत में ही 3 करोड़ 37 लाख 66 हजार 707 मामलें सामने आ चुके हैं और 4 लाख 48 हजार 339 अपनों को खो चुके हैं। यह कोई छोटा मोटा आंकड़ा नहीं है। इसके अलावा सरकार के जनता कर्फ्यू व उसके बाद 68 दिन के लॉक डाउन नहीं होता तो कोरोना से प्रभावित होने वाले और इसके कारण होने वाली मौतों की संख्या अकल्पनीय होती। सरकार की सख्ती, लोगों की अवेयरनेस के बावजूद भी जो कोरोना काल के हालात देखें उसको याद करके ही सिहरन होने लगती है। ऐसे में यह कहने में दो राय नहीं होनी चाहिए कि कोरोना रुपी रक्त बीज का असर कम करने में अन्य के साथ ही लॉकडाउन की प्रमुख भूमिका रही है। आने वाली पीढ़ियों को भले ही यह अतिशयोक्तिपूर्ण लगे पर जिन्होंने देखा, भोगा और अपनों को खोया है वे कोरोना को भूल ही नहीं सकते। ताली-थाली की भले ही मजाक में लिया जाए पर यह और लॉकडाउन ने जिंदगियां बचाने में बड़ी भूमिका निभाई है।

'ज्ञान' पर योगी सरकार का पूरा फोकस

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की सात साल की उपलब्धियों और कार्यो पर गौर करें तो पता चलता है कि इस सरकार का पूरा फोकस गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति पर रहा है। योगी सरकार की इस उपलब्धिय को संक्षेप में ज्ञान यानी जीवाईएएन के रूप में भी देखा जा सकता है। जी से गरीब, वाई से युवा, ए से अन्नदाता और एन से नारी शक्ति। यह ठीक है कि युवा शक्ति को इस दौरान नौकरियों के लिए जूझना जरूर पड़ा है। पुलिस भर्ती परीक्षा के पेपर लीक की वजह से उसे परेशानी भी हुई है। लेकिन इसके बावजूद योगी सरकार का समूचा फोकस इन्हीं चार विषयों पर केंद्रित रहा है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के लिए अच्छी बात यह रही कि केंद्र में पहले से ही उसकी पार्टी की सरकार थी। इसकी वजह से उसे अपनी योजनाओं को लागू करने में किसी रोकटोक का सामना नहीं करना पड़ा। राज्य सरकार ने 2017 में अपनी शुरूआत से ही केंद्र द्वारा शुरू की गई गरीब समर्थक योजनाओं के कार्यान्वयन में जोर लगा दिया। जिसमें उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन देने, शौचालय निर्माण के के साथ ही रेहड़ी-पटरी वालों के लिए रियायती कर्ज और हर जल नल कनेक्शन देने में इस सरकार ने पूरा जोर लगा दिया। राज्य सरकार केंद्र की 44 योजनाओं को लागू करने में अव्वल है। राज्य में उज्ज्वला योजना के तहत अब तक पौने दो करोड़ परिवारों को गैस कनेक्शन मिल चुके हैं। जबकि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राज्य में 55 लाख 83 हजार से ज्यादा मकान बने हैं। राज्य में स्वच्छ भारत मिशन के तहत पौने तीन करोड़ से ज्यादा शौचालय बनाए गए हैं। उत्तर प्रदेश के देहाती इलाकों में इन शौचालयों को टायलेट या शौचालय की बजाय सहजता से इज्जत घर कहा जा रहा है। हर घर नल योजना के तहत राज्य के दो करोड़ पांच लाख घरों तक पानी का कनेक्शन इन सात सालों में ही दिया गया। इसके साथ ही 17 लाख 62 हजार रेहड़ी-पटरी वालों को रियायती दर पर कर्ज मिला है। उत्तर प्रदेश में एक और योजना बहुत तेजी से लागू की गई है। केंद्र सरकार के आयुष्मान भारत योजना के तहत राज्य के नौ करोड़ लोगों को पांच लाख रूपए तक का चिकित्सा बीमा की सहूलियत मिली है।उत्तर प्रदेश में योगी सरकार आने के पहले तक बिजली आपूर्ति की स्थिति बेहद खराब थी। पूरे राज्य में लखनऊ और इटावा-सैफई ही ऐसी जगहें थीं, जहां सुचारू बिजली आपूर्ति होती थी। राज्य को सबसे ज्यादा राजस्व देने वाले नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, कानपुर आदि के उद्योगों के लिए भी बिजली सहजता से उपलब्ध नहीं थी। लेकिन इस बीच स्थितियां सुधरी हैं। अब गांवों तक रोजाना 16 से 18 घंटे तक बिजली मिल रही है। राज्य में बिजली आपूर्ति के सरंजाम बेहद पुराने हैं। बलिया समेत पूर्वी जिले में स्थानीय आपूर्ति करने वाले ट्रांसमिशन सिस्टम जर्जर हो चुके हैं। इसकी वजह से यदा-कदा गड़बड़ियां होती हैं। अलबत्ता कुल मिलाकर

स्थिति सही है। इसका असर औद्योगिक उत्पादन पर भी पड़ा है। राज्य में उद्योग पनप रहे हैं। इसका प्रत्यक्ष और परोक्ष लाभ राज्य की जनता को मिल रहा है। इसी क्रम में कह सकते हैं कि राज्य सरकार ने 2024-25 के लिए एक हजार करोड़ के प्रावधान के साथ युवा उद्यमी विकास योजना शुरू की गई है। राज्य सरकार को उम्मीद है कि इससे राज्य में युवा कारोबार और उद्योग की ओर उन्मुख होंगे, जिसका फायदा राज्य के युवाओं को रोजगार के रूप में मिलेगा। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। इस योजना में 2 करोड़ 68 लाख किसानों को अब तक 68 हजार 135 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। इसी तरह राज्य में मिशन शक्ति, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, गरीबों की बेटियों के लिए विवाह अनुदान योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना समेत कई योजनाओं से लाखों महिलाओं को फायदा हुआ है।योगी सरकार के कार्यकाल में ही उत्तर प्रदेश में दो और उल्लेखनीय कार्य हुए। वाराणसी के काशी विश्वनाथ कारीडोर का दो साल पहले उद्घाटन हुआ। करीब सात सौ करोड़ रूपए की लागत से बने इस कारीडोर के चलते काशी में ना सिर्फ आस्था, बल्कि कारोबार का भी सैलाब उमड़ पड़ा है। देसी तीर्थ यात्रियों की संख्या बढ़ी है। ऐसा अनुमान है कि रोजाना करीब एक लाख देसी सैलानी सामान्य दिनों में वाराणसी आ रहे हैं। इसका सीधा फायदा यहां के परिवहन, होटल, खानपान और शिल्पकारी के कारोबार पर पड़ा है। इसी तरह बीते 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला के मंदिर का उद्घाटन हुआ। तीर्थ क्षेत्र अयोध्या का विकास भी हो रहा है। यहां भी रोजाना लाखों तीर्थ यात्री आ रहे हैं। जिनकी वजह से इलाके में रोजगार और कारोबार की संभावनाएं बेहतर हो रही हैं। 2017 में योगी आदित्यनाथ के सत्ता संभालने के बाद ही राज्य के पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का निर्माण पूरा हुआ। इसमें गंगा एक्सप्रेसवे का नाम सबसे आगे है। इसके साथ ही राज्य से होकर दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे गुजरने वाला है। जिस पर तेजी से काम जारी है। इसी तरह लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे, गाजियाबाद-कानपुर एक्सप्रेसवे और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर काम चल रहा है। इसके साथ ही गोरखपुर-सिलीगुड़ी एक्सप्रेसवे, दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून एक्सप्रेसवे और गाजीपुर-बलिया-मांझीघाट एक्सप्रेसवे की भी तैयारी है। हाल ही में गोरखपुर-शामली एक्सप्रेसवे के रूप में राज्य के सबसे लंबे एक्सप्रेसवे बनाने को लेकर भी तैयारियां जोरों पर है। आदित्यनाथ सरकार के दौरान राज्य की कानून व्यवस्था भी पहले की तुलना में दुरूस्त हुई है। इसकी वजह से राज्य एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश के विपक्षी दलों का आरोप है कि राज्य में स्थानीय स्तर पर भ्रष्टाचार खूब है। हालांकि यह भी सच है कि भ्रष्टाचार की जानकारी होने के बाद कार्यवाही भी खूब हो रही है। बेशक राज्य ने इन सात सालों में बहुत उपलब्धियां हासिल की हैं। लेकिन अभी बहुत कुछ हासिल किया जाना बाकी है। इसके लिए राज्य सरकार को अपनी प्रशासनिक मशीनरी को दुरूस्त और चाकचौबंद रखना होगा। क्योंकि नीतियों और योजनाओं को जमीनी हकीकत यह मशीनरी ही बनाती है। मशीनरी कई बार जानबूझकर तो कई बार अकुशल होने के चलते योजनाओं को सही तरीके से लागू नहीं कर पाती। जिसकी वजह से बेहतर नीतियों का जमीनी फायदा नहीं मिल पाता। योगी सरकार इस दिशा में भी काम कर रही है। चिकित्सा व्यवस्था और शिक्षा व्यवस्था को भी दुरूस्त किया जा रहा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि योगी सरकार के प्रयास और तेज होंगे, ताकि उत्तर प्रदेश के लोगों की जिंदगी को और ज्यादा खुशहाल बनाया जा सके।

सद्गुरु की हालत देखकर सदमे में हैं कंगना रनौत , जल्दी ठीक होने की कामना की, कहा-हम आपके बिना कुछ भी नहीं हैं

आध्यात्मिक नेता सद्गुरु जग्गी वासुदेव की सिर में रक्तस्राव के बाद एक निजी अस्पताल में मस्तिष्क की सर्जरी की गई। यह खबर वायरल होने के तुरंत बाद, दुनिया भर में उनके अनुयायियों के बीच चिंता फैल गई। सद्गुरु की ऐसी ही एक अनुयायी हैं बॉलीवुड दिवा कंगना रनौत, जिन्होंने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, आज जब मैंने सद्गुरु जी को आईसीयू बिस्तर पर लेटे हुए देखा तो मैं अचानक उनके अस्तित्व की नश्वरता से प्रभावित हो गई, इससे पहले मुझे कभी नहीं लगा था कि वह सिर्फ हड्डियां, खून, मांस हैं। हमारी तरह।उन्होंने आगे कहा मुझे लगा कि भगवान ढह गए हैं, मुझे लगा कि पृथ्वी हिल गई है, आकाश ने मुझे छोड़ दिया है, मुझे लगता है कि मेरा सिर घूम रहा है, मैं इस वास्तविकता को समझ नहीं पा रही हूं और इस पर विश्वास न करने का विकल्प चुनती हूं लेकिन फिर अचानक मैं टूट जाती हूं, आज लाखों लोग (भक्त) मेरा दुख साझा करते हैं, मैं अपना दर्द आप सभी के साथ साझा करना चाहती हूं, मैं इसे रोक नहीं पा रही हूं। बेहतर होगा कि वह ठीक हो जाए अन्यथा सूरज नहीं उगेगा, पृथ्वी नहीं हिलेगी। यह क्षण बेजान और स्थिर लटका हुआ है...कंगना अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर सद्गुरु के साथ अपनी मुलाकातों की तस्वीरें साझा करती थीं। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सद्गुरु से बात की और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। सद्गुरु ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर अपने अस्पताल के बिस्तर से एक वीडियो भी पोस्ट किया। उन्होंने कहा, ÷अपोलो अस्पताल के न्यूरोसर्जनों ने कुछ खोजने की कोशिश करने के लिए मेरी खोपड़ी को काटा, लेकिन कुछ भी नहीं मिला - पूरी तरह से खाली। इसलिए उन्होंने हार मान ली और इसे जोड़ दिया। यहां मैं दिल्ली में पैच-अप खोपड़ी के साथ हूं, लेकिन एक क्षतिग्रस्त मस्तिष्क है।बता दें कि 66 वर्षीय आध्यात्मिक गुरु ईशा फाउंडेशन के संस्थापक हैं और उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए सेव सॉइल और रैली फॉर रिवर्स जैसे अभियान शुरू किए हैं।

दीपिका पादुकोण और अपने बच्चे के साथ रहने के लिए काम से लंबा ब्रेक लेंगे रणवीर सिंह ?

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने कुछ हफ्ते पहले अपनी पहली गर्भावस्था की घोषणा की थी। इस खबर ने इंटरनेट पर धूम मचा दी और बॉलीवुड में इस शानदार जोड़ी के लिए शुभकामनाएं आने लगीं। दीपिका और रणवीर की इस महीने की शुरुआत के बाद मीडिया कार्यक्रमों में उनकी उपस्थिति कम हो गई है। जहां दीपिका अपने पहले बच्चे के स्वागत के लिए मैटरनिटी ब्रेक पर होंगी, वहीं रणवीर सिंह को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं कि रणवीर सिंह भी कुछ समय के लिए ब्रेक ले सकते हैं। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक रणवीर भी ब्रेक लेंगे।खैर, टाइम्सनाउन्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, एक सूत्र का कहना है कि रणवीर सिंह भी एक लंबा पितृत्व अवकाश लेने की योजना बना रहे हैं। कहा जा रहा है कि दीपिका पादुकोण ने पहले ही अपना शेड्यूल क्लियर कर लिया है। वह धीरे-धीरे अपने सभी लंबित प्रोजेक्ट्स से बाहर निकल गई हैं। इसके बाद वह लंबे मैटरनिटी ब्रेक पर जाएंगी। हालाँकि, रणवीर सिंह की ऐसी कोई योजना नहीं थी। चूँकि उनकी बैजू बावरा की तारीखें खाली हो चुकी हैं, रणवीर के पास कोई अन्य परियोजना नहीं है जो उत्पादन शुरू करने के लिए तैयार हो, जैसा कि रिपोर्ट में दावा किया गया है।

संगीतकार टीएम कृष्णा के खिलाफ विरोध पर म्यूजिक अकादमी ने रंजनी और गायत्री की आलोचना की

मद्रास स्थित संगीत अकादमी ने गुरुवार को भारतीय कर्नाटक गायक टीएम कृष्णा के खिलाफ उनके विरोध पर कर्नाटक गायक रंजनी और गायत्री को जवाब दिया। अकादमी ने रंजनी और गायत्री के दावों पर निराशा व्यक्त की और कहा कि वे उनकी अपमानजनक सामग्री से हैरान थे। संगीत अकादमी के अध्यक्ष एन मुरली ने 21 मार्च को कर्नाटक गायक जोड़ी को एक पत्र लिखा। अनजान लोगों के लिए, रंजनी और गायत्री ने टीएम कृष्णा की भागीदारी का हवाला देते हुए संगीत अकादमी सम्मेलन से नाम वापस ले लिया था। कृष्णा को 2024 का संगीत कलानिधि पुरस्कार दिया गया।थोडुर मदाबुसी कृष्णा, जिन्हें टीएम कृष्णा के नाम से जाना जाता है, को हाल ही में 2024 के संगीत कलानिधि से सम्मानित किया गया था। हालाँकि, वह नवीनतम विवाद में भी फंस गए हैं क्योंकि कर्नाटक गायक रंजनी और गायत्री ने टीएम कृष्णा की भागीदारी का हवाला देते हुए संगीत अकादमी सम्मेलन से नाम वापस ले लिया था। दोनों ने ट्वीट्स की एक श्रृंखला भी पोस्ट की जिसमें दावा किया गया कि उन्होंने कर्नाटक संगीत जगत को भारी नुकसान पहुंचाया है। लेकिन

क्या आप जानते हैं कि टीएम कृष्णा कौन हैं और एक भारतीय कर्नाटक गायक, लेखक, कार्यकर्ता और लेखक ने रेमन मैग्सेसे पुरस्कार कैसे जीता, जो एशिया का प्रमुख पुरस्कार और सर्वोच्च सम्मान है?टीएम कृष्णा का जन्म 22 जनवरी 1976 को उनके माता-पिता के घर हुआ, जिनकी कला, विशेषकर कर्नाटक संगीत में गहरी रुचि थी। कृष्णा के माता-पिता ने यह सुनिश्चित किया कि उन्हें कम उम्र से ही शास्त्रीय कलाओं का अनुभव हो। कृष्णा का अभिनय करियर 12 साल की उम्र में संगीत अकादमी, चेन्नई (भारत) द्वारा आयोजित स्पिरिट ऑफ यूथ सीरीज़ में उनके पहले संगीत कार्यक्रम के साथ शुरू हुआ। तब से उन्होंने दुनिया भर के विभिन्न समारोहों और स्थानों पर व्यापक रूप से प्रदर्शन किया है, जिनमें मद्रास संगीत अकादमी, नेशनल सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स (भारत), जॉन एफ कैनेडी सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स आदि शामिल हैं।राजू मुरुगन द्वारा निर्देशित फिल्म जिप्सी (2019 फिल्म) का गाना वेनपुरा कृष्णा का पहला पार्श्व गीत है। इसके अलावा, टीएम कृष्णा का संगीत अक्सर भावपूर्ण और राग भाव से भरपूर माना जाता है।2016 में, उन्हें ÷एक कलाकार के रूप में जबरदस्त प्रतिबद्धता और भारत के गहरे सामाजिक विभाजनों को ठीक करने के लिए कला की शक्ति की वकालत करने, जाति और वर्ग की बाधाओं को तोड़कर न केवल कुछ लोगों के लिए बल्कि संगीत बनाने के लिए÷ रेमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। कुछ के लिए भी।÷उन्हें संगीत अकादमी, मद्रास द्वारा 2024 के लिए संगीत कलानिधि से सम्मानित किया गया है।उनकी पुरस्कार सूची में उनकी पदोन्नति सेवाओं के लिए दिया जाने वाला प्रतिष्ठित इंदिरा गांधी पुरस्कार (2017) भी शामिल है। देश में राष्ट्रीय एकता बनाए रखने और कर्नाटक संगीत को आम आदमी से जोड़ने के लिए प्रोफेसर वी. अरविंदाक्षन मेमोरियल अवार्ड (2017) भी मिला।

खेल सरोवर-खेल सरोवर-खेल सरोवर

चेन्नई बनाम बैंगलुरु के बीच भिड़ंत से आईपीएल 2024 का आगाज

आईपीएल 2024 की शुरुआत चेन्नई सुपर किंग्स का सामना रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु से होगा दोनों टीमों ने इस मैच के लिए कमर कस ली है। सीएसके और आरसीबी की टीम में दिग्गज खिलाड़ी मौजूद हैं। वहीं दोनों के ही पास विदेशी खिलाड़ियों का अच्छा विकल्प है। जहां चेन्नई अपने नए कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में छठी बार खिताब अपने नाम करना चाहेगी तो दूसरी तरफ 16 साल से खिताब के लिए तरस रही आरसीबी इस बार अपनी ख्वाहिश पूरी करना चाहेगी। चेन्नई सुपर किंग्स और आरसीबी के बीच आईपीएल में अब तक कुल 31 मैच खेले गए हैं। जिसमें गत चैंपियन सीएसके ने 20 मैच जीते हैं। जबकि आरसीबी की टीम 10 मैच ही जीत सकी है। दोनों टीमों के बीच एक मुकाबला बेनतीजा रहा है। चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में भी सीएसके का पलड़ा भारी है। हालांकि, टी20 क्रिकेट में एक गेंद से बाजी पलट सकती है, इसलिए इस फॉर्मेट में ये कहना कठिन होता है कि कौन

सी टीम मुकाबले को जीत सकती है। आरसीबी के पास दिग्गज बल्लेबाज मौजूद हैं ऐसे में ये जानना दिलचस्प होगा कि पूर्व कप्तान विराट कोहली क्या इस सीजन में भी फाफ डुप्लेसिस के साथ ओपनिंग करने आएंगे। पिछले सीजन इनकी ओपनिंग जोड़ी काफी हिट रही थी और इसकी संभावना प्रबल है कि कोली और डुप्लेसिस की जोड़ी ही आरसीबी के लिए पारी का आगाज करेगी। मध्यक्रम में टीम के पास ग्लेन मैक्सवेल, सुयश प्रभुदेसाई, रजत पाटीदार और दिनेश कार्तिक जैसे बल्लेबाज मौजूद हैं। इसके अलावा आरसीबी ने मुंबई इंडियंस से कैमरून ग्रीन को भी ट्रेड किया था। सीएसके टीम इस बार अपने चोटिल खिलाड़ियों से परेशान है। टीम के ओपनिंग बल्लेबाज डेवॉन कॉन्वे चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हैं। लेकिन चेन्नई ने आईपीएल 2024 नीलामी में न्यूजीलैंड के युवा खिलाड़ी रचिन रविंद्र को टीम में शामिल किया है। जिससे उम्मीद है कि टीम कॉन्वे की जगह रचिन से ओपनिंग कराएगी। वहीं श्रीलंका के मथीशा पथिराना भी चोटिल हैं जिस कारण मुस्ताफिजुर रहमान को मौका मिल सकता है।

हर कोई अनुभवी है, इसलिए मेरा काम आसान हो जाएगा-रुतुराज गायकवाड़

चेन्नई सुपर किंग्स के नवनियुक्त कप्तान रुतुराज गायकवाड़ का मानना है कि उन्हें बहुत बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है, लेकिन उनको लगता है कि टीम में महेंद्र सिंह धोनी और रविंद्र जडेजा जैसे खिलाड़ियों की मौजूदगी से उनका काम आसान हो जाएगा।चेन्नई और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के उद्घाटन मैच से एक दिन पहले धोनी ने कप्तानी गायकवाड़ को सौंप दी। गायकवाड़ ने चेन्नई सुपर किंग्स के सोशल मीडिया पर डाले गए वीडियो में कहा,''यह बड़ा सम्मान है। इससे भी बढ़कर यह बड़ी जिम्मेदारी है लेकिन हमारी जिस तरह की टीम है उसे देखते हुए मैं वास्तव में उत्साहित हूं। हर कोई अनुभवी है और इसलिए मेरे लिए करने के लिए ज्यादा कुछ नहीं है।''गायकवाड़ की मदद के लिए धोनी हमेशा मौजूद रहेंगे। उनके अलावा उन्हें जडेजा और अजिंक्य रहाणे से भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा,''इसके अलावा माही भाई टीम में है। जड्डू भाई और अज्जू भाई (रहाणे) भी मेरे मार्गदर्शन के लिए टीम में हैं। इसलिए मुझे चिंता करने की जरूरत नहीं है। मैं इस नई भूमिका का आनंद लेने के लिए उत्साहित हूं।

ऋषभ पंत अपने शरीर का भरोसा जीतने के लिए कर रहे हैं अतिरिक्त मेहनत-रिकी पोंटिंग

दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने गुरुवार को कहा कि कप्तान ऋषभ पंत भयानक दुर्घटना के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से पहले अपने शरीर का भरोसा जीतने के लिए अतिरिक्त मेहनत कर रहे हैं। भारतीय विकेटकीपर पंत दिसंबर 2022 में सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे जिसके कारण वह पिछले साल आईपीएल में नहीं खेल पाए थे। पोंटिंग ने कहा,''वह पूर्व में आईपीएल से पहले जितनी बल्लेबाजी करता था उसकी तुलना में उसने पिछले सप्ताह काफी अधिक बल्लेबाजी की। मुझे लगता है कि वह फिर से अपने शरीर का भरोसा जीतना चाहता है।''उन्होंने कहा,''वह अलग-अलग तरह से अभ्यास कर रहा है और उन सब शॉट को खेल रहा है जिन्हें वह खेला करता था। वह कभी हार नहीं मानने वाला खिलाड़ी है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसके चेहरे पर मुस्कान है जिसे हम सभी देखना पसंद करते हैं।

महिला कर्मियों एवं दिव्यांग कर्मियों द्वारा संचालित होने वाले मतदान बूथ बनाये जायेंगे

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन-2024 में प्रदेश में 3500 मतदान केन्द्रों पर महिला मतदान कर्मियों द्वारा मतदान कराया जायेगा। इन मतदान केन्द्रों पर तैनात पूरा मतदान दल महिला अधिकारी/कर्मचारी का होगा। इसी प्रकार लगभग 250 मतदान केन्द्रों पर दिव्यांग मतदान कर्मियों द्वारा मतदान कराया जायेगा।

इन मतदान केन्द्रों पर मतदान दल दिव्यांग अधिकारी/कर्मचारी का ही होगा।श्री राजन ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन-2024 के संचालन के लिये लगभग 5 लाख 20 हजार मतदान कर्मी, सेक्टर ऑफिसर, पुलिस कर्मी के रूप में अधिकारियों /कर्मचारियों की निर्वाचन ड्यूटी लगायी जा रही है। मतदान के दिन प्रत्येक मतदान केन्द्र में संबंधित बीएलओ भी उपस्थित रहेंगे। उनके पास वर्णाक्रमानुसार मतदाता सूची भी होगी, जिससे कोई भी मतदाता मौके पर ही यह जान सके कि मतदाता सूची में इनका नाम किस नंबर पर है।श्री राजन ने यह भी बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा माइक्रोसाइट https://electionswy.eci.gov.in/ तैयार की गई है। इस पर लोकसभा निर्वाचन-2024 से संबंधित अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

मध्य प्रदेश में बढ़ते वोट शेयर ने भाजपा को पहुंचाया फायदा

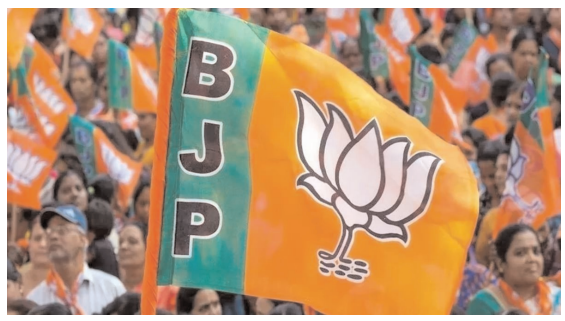

भोपाल। लोकसभा चुनाव के ठीक पहले विधानसभा चुनाव से गुजरने वाले राज्यों में मध्य प्रदेश भी शामिल रहा है और इसके परिणाम लोकसभा चुनाव तक अपना प्रभाव भी दिखाते हैं। विधानसभा के पिछले पांच और लोकसभा के पिछले चार चुनाव का वोट शेयर भाजपा को उत्साहित करता है तो कांग्रेस के लिए चुनौती भी है।मध्य प्रदेश में 2003 के विधानसभा चुनाव में 67.41 प्रतिशत मतदान हुआ, जिसमें भाजपा ने 173 सीटों पर जीत दर्ज कर 42.5 प्रतिशत वोट शेयर प्राप्त किया था, जबकि कांग्रेस 38 सीट के साथ 31.61 प्रतिशत वोट हासिल कर सकी थी। अगले साल 2004 में हुए लोकसभा चुनाव में 48.09 प्रतिशत मतदान हुआ, जिसमें भाजपा को 25 सीटें मिलीं और हिस्सा बढ़कर 48.13 प्रतिशत हो गया। कांग्रेस ने शेष चार सीटें जीतीं और वोट प्रतिशत बढ़कर 40.14 प्रतिशत हो गया। विधानसभा चुनाव के बाद मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी, लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में कांग्रेस गठबंधन की।दोनों पार्टियों के वोट शेयर में बढ़त 2008 के विधानसभा और 2009 के लोकसभा चुनाव में भी बनी रही। परिणाम में भी दोहराव था, यानी प्रदेश में भाजपा, तो केंद्र में कांग्रेस गठबंधन की सरकार। आंकड़े बताते हैं कि विधानसभा चुनाव में 69.52 प्रतिशत मतदान हुआ, जिसमें भाजपा को 143 सीटों के साथ 37.81 प्रतिशत और कांग्रेस को 71 सीटों के साथ 36.04 प्रतिशत वोट मिले थे। इसके बाद लोकसभा चुनाव में 51.16 प्रतिशत मतदान हुआ, जिसमें भाजपा को 16 सीटें, 43.45 प्रतिशत वोट शेयर मिला, वहीं 12 सीटों पर विजयी कांग्रेस ने 40.14 प्रतिशत मत प्राप्त किया, लेकिन इसके बाद कांग्रेस की सीटें और मत कम ही होता गया, जबकि भाजपा का ग्राफ बढ़ रहा है।2013 में विधानसभा चुनाव में 72.69 प्रतिशत वोट डाले गए। भाजपा ने 165 सीटों के साथ सरकार बरकरार रखी और वोट प्रतिशत को बढ़ाते हुए 44.87 प्रतिशत पहुंचा दिया। इधर कांग्रेस की सीटें घटकर 58 रह गईं, वोट शेयर भी 36.38 प्रतिशत पर पहुंच गया। इसके अगले साल 2014 में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 27 सीटें जीतीं और वोट शेयर 54.02 प्रतिशत हासिल किया। कांग्रेस कमल नाथ और ज्योतिरादित्य सिंधिया की दो ही सीटें बचा सकी और वोट शेयर 34.89 प्रतिशत रह गया। मप्र में भाजपा सरकार बच गई, जबकि केंद्र में मोदी सरकार बनी।2018 के विधानसभा चुनाव में मध्य प्रदेश में परिणाम बदल गए और भाजपा का वोट शेयर कम हुआ, जबकि कांग्रेस को फायदा हुआ। हालांकि, 2019 में लोकसभा में बढ़त भाजपा ने ही बरकरार रखी। विधानसभा चुनाव में कुल मतदान 75.63 प्रतिशत हुआ, जिसमें 109 सीटों के साथ भाजपा को 41.02 प्रतिशत वोट मिले, जबकि कांग्रेस 114 सीटों के साथ 40.89 प्रतिशत वोट हासिल करने में कामयाब रही। अगले साल लोकसभा चुनाव 2019 में हुए तो कांग्रेस मात्र छिंदवाड़ा की सीट बचा सकी। भाजपा ने वोट प्रतिशत में बढ़त दर्ज करते हुए 58 प्रतिशत के साथ 28 सीटें जीत लीं। कांग्रेस को 34.50 प्रतिशत वोट मिले थे।बीते वर्ष 2023 में विधानसभा चुनाव में 77.15 प्रतिशत मतदान हुआ। भाजपा ने 163 सीटों पर जीत दर्ज कर 48.55 प्रतिशत वोट हासिल किए, जबकि कांग्रेस को 66 सीटें और 40.40 प्रतिशत वोट मिले। कांग्रेस इन आंकड़ों में बदलाव के लिए इस बार कुछ सीटों पर अलग से फोकस कर रही है, जिसमें मंडला और बालाघाट जैसी सीटें प्रमुख हैं। विधानसभा चुनाव में जिन दिग्गजों को हार का सामना करना पड़ा, उनमें से कई प्रतिष्ठा का प्रश्न मानकर लोकसभा चुनाव में भाजपा से हिसाब चुकता करने के मूड में हैं।

34 जिलों में ईवीएम के प्रथम रैंडमाइजेशन की प्रक्रिया संपन्न

भोपाल । मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया है कि लोकसभा निर्वाचन- 2024 को लेकर 34 जिलों में इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के प्रथम रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया गुरुवार को संपन्न हुई। उन्होंने बताया कि ईवीएम रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनैतिक दलों के अधिकृत प्रतिनिधियों तथा संबंधित जिलों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों की उपस्थिति में हुई। रेंडमाइजेशन प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन मशीनों को विधानसभा क्षेत्र वार अलॉट कर दिया गया है। ईवीएम को विधानसभा क्षेत्र के स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रख दिया गया है।लोकसभा निर्वाचन-2024 के मद्देनजर श्योपुर, मुरैना, भिंड, ग्वालियर, दतिया, शिवपुरी, अशोकनगर, सागर, टीकमगढ़, छतरपुर, दमोह, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरौली, अनूपपुर, उमरिया, कटनी, जबलपुर, डिंडोरी, मंडला, बालाघाट, सिवनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, बैतूल, हरदा, नर्मदापुरम, रायसेन, विदिशा, भोपाल, सीहोर, राजगढ़ एवं निवाड़ी जिले में 21 मार्च को ईवीएम का रेंडमाइजेशन किया गया।इंदौर, अलीराजपुर, झाबुआ, खरगौन, बड़वानी, धार, खंडवा, बुरहानपुर, उज्जैन, देवास, शाजापुर, रतलाम, मंदसौर, नीमच, आगर मालवा, पन्ना, गुना एवं शहडोल जिले में 22 मार्च को प्रथम चरण के ईवीएम रैंडमाइजेशन किया जायेगा।

विश्व वानिकी दिवस पर वानिकी में नवाचार पर संगोष्ठी आयोजित

भोपाल। विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर वन भवन परिसर में अपर मुख्य सचिव वन श्री जे.एन. कांसोटिया के मुख्य आतिथ्य में वानिकी में नवाचार'' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।श्री कांसोटिया ने कहा कि युवा पीढ़ी को वन एवं वन्य-जीवों के प्रति जागरूक करने के लिये वन विभाग द्वारा अनुभूति कार्यक्रम चलाया जा रहा है।संगोष्ठी को प्रमुख सचिव पर्यावरण श्री गुलशन बामरा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री असीम श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया।संगोष्ठी में विश्व प्रकृति निधि, मध्यप्रदेश की प्रभारी श्रीमती संगीता सक्सेना ने अतिथियों को पर्यावरण संरक्षण और अर्थ अवर-डे पर केन्द्रित पोस्टर भेंट किये। प्रधान मुख्य वन संरक्षक विकास श्री यू.के. सुबुद्धि ने आभार व्यक्त किया। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक प्रशासन-2 श्रीमती कमलिका मोहंता ने संगोष्ठी का संचालन किया।

ग्रामीणजनों को विद्युत से सुरक्षा के लिये एडवाइजरी जारी

भोपाल। ग्रामीणजनों के लिये विद्युत से सुरक्षा साबधानियों पर नजर रखने के लिये विद्युत वितरण कंपनी ने एडवाइजरी जारी की है। ग्रामीण क्षेत्रों में असावधानीवश विद्युत से कई बार अप्रिय घटनाएं घट जाती हैं। गर्मी के मौसम में इस प्रकार की दुर्घटनाओं से कई बार व्यापक स्तर पर जन-धन की हानि होती हैं। इनसे सुरक्षा के लिए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने ग्रामीणजनों से सावधानी बरतने की अपील की है। अपील में कहा गया है कि कभी भी विद्युत लाइनों, उपकरणों एवं खंभों से छेड़खानी न करें क्योंकि ऐसा करना विद्युत अधिनियम 2003 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध है। थोड़ी सी भी असावधानी या छेड़खानी से बड़े-बडे खतरे पैदा हो सकते हैं।ग्रामीणों से अपील की गई है कि ऐसी लाइनें जिनमें विद्युत शक्ति प्रवाहित होती है, उन्हें आँधी तूफान या अन्य किसी कारण से टूटने वाले तारों को अकस्मात् छूने का प्रयास न करें। इस दौरान जरूरी होगा कि लाइन टूटने की सूचना तत्काल निकटस्थ बिजली कंपनी के अधिकारी को अथवा विद्युत कर्मचारी को दें। इसके लिये आवश्यकतानुसार किसी जिम्मेदार व्यक्तियों को अन्य यात्रियों को चेतावनी देने के लिये निर्देशित कर नियुक्त किया जायें।किसानों को सलाह दी गई है कि वे खेतों खलिहानों में ऊँची-ऊंची घास की गंजी, कटी फसल की ढेरियां, झोपड़ी, मकान अथवा तंबू आदि विद्युत लाइनों के नीचे अथवा अत्यंत समीप न बनायें। विद्युत लाइनों के नीचे से अनाज, भूसे आदि की ऊँची भरी हुई गाड़ियाँ न निकालें, इससे आग लगने एवं जान जाने का खतरा है।बहुत से स्थानों पर बच्चे पतंग अथवा लंगर का खेल खेलते-खेलते तरह-तरह के धागे और डोर विद्युत लाइनों में फंसा देते हैं। ऐसा करने से उन्हें रोकें। लाइनों में फंसी पतंग निकालने के लिए बच्चों को कभी भी खंभे पर न चढ़ने दें। इससे एक ओर जहां दुर्घटना को टाला जा सकेगा वहीं दूसरी ओर आप होने वाली आर्थिक हानि से भी बच सकेंगे।

दूसरे दिन गुरूवार 3 उम्मीदवारों ने 3 नामांकन पत्र दाखिल किए

भोपाल। लोकसभा निर्वाचन-2024 के निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार पहले चरण के लिये नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया जारी है। नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन गुरूवार को तीन लोकसभा संसदीय क्षेत्रों में 3 उम्मीदवारों ने 3 नामांकन पत्र दाखिल किये है। अब तक कुल 6 उम्मीदवारों द्वारा 9 नामांकन पत्र दाखिल कर दिये है।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि नाम निर्देशन प्रक्रिया के दूसरे दिन लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-11 सीधी में 1 उम्मीदवार ने 1 नाम निर्देशन पत्र, लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-14 मंडला (अजजा) में 1 उम्मीदवार द्वारा 1 नाम निर्देशन पत्र एवं लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-15 बालाघाट में 1 उम्मीदवार द्वारा 1 नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया है। प्रथम चरण के लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-13 जबलपुर एवं लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-16 छिन्दवाड़ा में अब तक किसी भी उम्मीदवार द्वारा नाम निर्देशन पत्र दाखिल नहीं किया गया है। नाम निर्देशन पत्र दाखिल किये गये उम्मीदवारों के शपथ-पत्र एवं अन्य जानकारियां भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट की लिंक https://affidavit.eci.gov.in/ पर देखी जा सकती हैं।श्री राजन ने बताया कि पहले चरण के लिये नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि बुधवार, 27 मार्च है। नामांकन पत्रों की संवीक्षा गुरुवार, 28 मार्च को की जाएगी। नामांकन दाखिल कर चुके अभ्यर्थी शनिवार, 30 मार्च तक अपने नाम वापस ले सकेंगे। पहले चरण के लिए शुक्रवार, 19 अप्रैल को मतदान होगा। मतगणना 4 जून को होगी।

लोकसभा चुनाव से ज्यादा टूटते कुनबे को जोड़े रखने में ताकत झोंक रही कांग्रेस

मालवा-निमाड़। मालवा-निमाड़ क्षेत्र में कांग्रेस की स्थिति विधानसभा चुनाव के पहले से ही गड़बड़ा गई है। पार्टी छोड़कर जाने वाले नेताओं की संख्या कम होने के बजाय लगातार बढ़ती जा रही है। लोकसभा चुनाव सामने होने के बाद भी कांग्रेस के बड़े नेताओं का फोकस चुनाव से ज्यादा अपने बिखरते कुनबे को को जोड़े रखने पर है।उज्जैन जिले में विधानसभा चुनाव से कांग्रेस को कई उम्मीदें थीं। कांग्रेस नेता दावा कर रहे थे कि इस बार सरकार उनकी बनेगी। मगर मोदी मैजिक और लाड़ली बहना योजना के कारण कांग्रेस का सपना अधूरा रहा। इसके बाद उज्जैन से विधायक चुने गए डा. मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनाए जाने के बाद कुछ कांग्रेस नेता भाजपा में शामिल हुए। हालांकि इनमें कोई बड़ा नेता शामिल नहीं है।कांग्रेस के संभागीय प्रवक्ता रह चुके एडवोकेट विवेक गुप्ता ने पिछले महीने कांग्रेस ज्वाइन की थी।शाजापुर जिले में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ ही कई कांग्रेसी बीजेपी में शामिल हो गए थे। विधानसभा चुनाव के पश्चात कांग्रेस जिला अध्यक्ष रहे योगेंद्र सिंह बंटी बना अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो चुके हैं। ऐसे में जिले में कांग्रेस के सामने पार्टी छोड़कर भाजपा में जाने वाले नेताओं के कारण बने रिक्त स्थान को भरना चुनौती है। इसके अलावा कांग्रेस विधानसभा चुनाव में जिले की तीनों सीट से चुनाव हारी है, ऐसे में भी कांग्रेसियों का मनोबल विधानसभा चुनाव की तुलना में लोकसभा चुनाव में कमजोर है।मंदसौर संसदीय क्षेत्र में 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के कांग्रेस छोड़ने के समय ही बड़े नेता सुवासरा विधायक हरदीपसिंह डंग, राजेन्द्रसिंह गौतम, पूर्व विधायक विजयेंद्र सिंह मालाहेड़ा मनासा, रघुराजसिंह चौरड़िया नीमच, केके सिंह कालूखेड़ा जावरा, मुकेश काला सहित कई कांग्रेसी भाजपा में शामिल हो गए। इसके बाद से अभी तक कांग्रेस से भाजपा में कोई बड़ा नेता तो शामिल नहीं हुआ है।विधानसभा चुनावों में भाजपा ने सात व कांग्रेस ने एक सीट जीती थी। इसके पश्चात अभी तक लोकसभा का उम्मीदवार घोषित नहीं होने से भी कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं में निराशा है। उन्हें एक जाजम पर लाने वाला कोई नेता भी दिख नहीं रहा है। इसके अलावा जिले के कांग्रेसी भी आपसी फूट से पार नहीं पा पा रहे हैं। इस कारण भी कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं का मनोबल विधानसभा चुनाव की तुलना में लोकसभा चुनाव में और ज्यादा कमजोर हो रहा है।झाबुआ जिले में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का भाजपा में शामिल होना लगातार जारी है। पिछले दिनों पारा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस छोड़ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। गुरुवार को कालीदेवी से सटे हत्यादेहली गांव के कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस छोड़ भाजपा में प्रवेश किया है। इसके पूर्व भी कई कांग्रेसी कार्यकर्ता व सरपंच भाजपा में शामिल हो चुके है। भाजपा जिलाध्यक्ष भानू भूरिया का कहना है कि आगामी दिनों में अभी और कांग्रेस के कार्यकर्ता भाजपा में शामिल होंगे। भाजपा नीतियों से प्रभावित होकर कांग्रेस के कार्यकर्ता व सरपंच भाजपा में शामिल हो रहे हैं।खरगोन जिले में कांग्रेस की छह विधानसभा सीटें थी। इस विधानसभा में तीन सीटें ही मिली। तीन साल पहले सांसद नंदकुमार सिंह चौहान की मौत के बाद खंडवा लोकसभा का उपचुनाव हुआ था। इसमें बड़वाह के कांग्रेस विधायक सचिन बिरला अपने साथियों के साथ भाजपा में गए। विधानसभा चुनाव में भी सचिन बिरला ने जीत दर्ज की। यहां कांग्रेस को तगड़ा झटका लगा था। इसके बाद पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष लाली शर्मा भी भाजपा में शामिल हुए थे। सनावद व बड़वाह क्षेत्र के ही कांग्रेसी कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए हैं।

निगम द्वारा सम्पत्तिकर बकायादारों पर कुर्की वारंट एवं तालाबंदी की कार्यवाही

उज्जैन। निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक के निर्देशानुसार सम्पत्तिकर अमले द्वारा कर वसूली की कार्यवाही निरंतर जारी है प्रतिदिन बकाया सम्पत्तिकरदाताओं से सम्पर्क करते हुए कर वूसली की जा रही है साथ ही बड़े बकायादारों के यहां संपत्तिकर जमा करने हेतु शक्ति पत्र (कुर्की वारंट) चस्पा किए जाने एवं तालबंदी की कार्यवाही भी की जारही है।

संपत्ति कर अमले द्वारा गुरुवार को झोन क्रमांक 03 अंतर्गत श्री जियाउर्रहमान पिता अब्दुल रहेमान 53 हरिफाटक महाकाल योजना का बकाया सम्पत्तिकर 2,03,884, श्री रियाज खान, भवन क्रमांक 36 दादाभाई नौरोजी मार्ग का बकाया सम्पत्तिकर 7,20,339 होने से सम्पत्तिकर टीम द्वारा तालाबंदी की कार्यवाही की गई एवं भवन क्रमांक 53 हरी फाटक महाकाल योजना के बकाया सम्पत्तिकर के संबंध में पूर्व में की गई तालाबंदी की कार्यवाही पर भवन स्वामी द्वारा बकाया सम्पत्तिकर 2,03,878 जमा कराया गया। इसीप्रकार अन्य झोन अंतर्गत भी सम्पत्तिकर टीम द्वारा बकाया संपत्ति कर जमा कराए जाने हेतु कार्यवाही की गई।

निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक ने शहर के सम्मानीय करदाताओं से अपील की है कि ऐसे करदाता जिन्होंने अभी तक अपना बकाया सम्पत्तिकर एवं जलकर जमा नहीं कराया है वे अपना बकाया संपत्तिकर, जलकर जमा करावे एवं कुर्की, वारंट जैसी अप्रिय स्थिति से बचे एवं शहर विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हुए एक अच्छे नागरिक होने का परिचय दें।

यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने में सहयोग प्रदान करें

अतिक्रमण गैंग द्वारा निरंतर निरीक्षण कर की जा रही है कार्यवाही

उज्जैन। निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक ने शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने एवं मुख्य मार्गों को अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए शहरवासियों से अपील की है। निगम अमले द्वारा निरंतर शहर के विभिन्न मार्गो एवं क्षैत्रों में कार्यवाही करते हुए सड़क पर से अस्थाई अवैध अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की जा रही है।नगर निगम अतिक्रमण गैंग द्वारा विशेषकर महाकाल मंदिर, हरसिद्धी मंदिर क्षैत्र, हरिफाटक ब्रिज, गोपालमंदिर, छत्रिचौक, सतीगेट, कंठाल, तेलीबाड़ा के साथ ही अन्य व्यस्ततम क्षैत्रों का निरीक्षण किया जा कर सड़कों पर अवैध रूप से लगे ठेले, गुमटियों के साथ ही दुकान व्यवसाईयों द्वारा सड़क तक व्यवसाईक सामग्री रख किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाए जाने के लिए मुनादी की जा रही है। मुनादी के पश्चात भी व्यवसाईयों द्वारा सामग्री नही हटाने पर अतिक्रमण गैंग द्वारा कार्यवाही करते हुए सामान जप्ती की कार्यवाही की जा रही है निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक के निर्देशानुसार झोन क्रमांक 1, 2, 3, के लिए गैंग प्रभारी श्री मोहन थनवार, झोन क्रमांक 4, 5, 6 के लिए श्री योगेश गोडाले एवं महाकाल विशेष झोन में गैंग प्रभारी श्री मनीष बाली एवं उनकी गैंग को तैनात किया गया है जो निरंतर क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए अवैध रूप से किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही कर रहे है।

होली के दिन लगेगा इस साल का पहला चंद्र ग्रहण

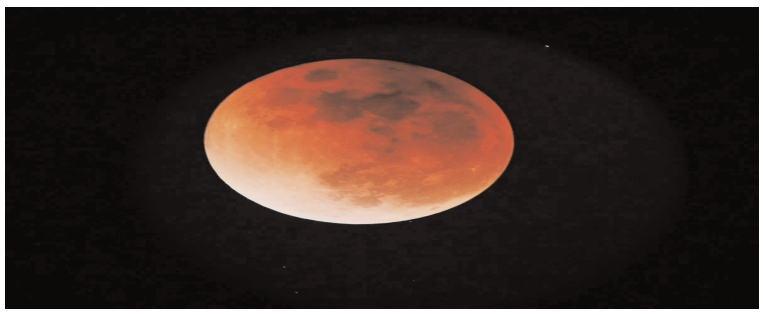

इस साल का पहला चंद्रग्रहण मार्च के महीने में लगने जा रहा है। यह चंद्र ग्रहण 25 मार्च को लगेगा। इसी होली का त्योहार भी है। हालांकि चंद्र ग्रहण एक भौगोलिक घटना है, लेकिन ज्योतिष की दृष्टि से इसे बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि पूर्णिमा की रात राहू और केतु चंद्रमा को निगलने की कोशिश करते हैं, इसलिए चंद्रमा पर ग्रहण लगता है। ग्रहण लगना शुभ नहीं माना जाता है। ग्रहण का असर सभी राशियों पर पड़ता है। जब ग्रहण लगता है तो आसपास मौजूद नकारात्मक शक्तियां प्रबल हो जाती है। जिस कारण से हर चीज प्रभावित हो जाती है। होली त्योहार के दिन लगेगा इस साल का पहला चंद्रग्रहण का सूतक काल और इसका प्रभाव जानिए।साल का पहला चंद्र ग्रहण 25 मार्च को लगेगा। यह एक उपच्छाया चंद्र ग्रहण है, जिसे भारत में नहीं देखा जा सकेगा। बता दें कि, चंद्र ग्रहण 25 मार्च को सुबह 10 बजकर 23 मिनट से शुरु होगा और 03 बजकर 02 मिनट तक रहेगा। वैसे तो चंद्र ग्रहण का सूतक काल ग्रहण के समय से 9 घंटे पूर्व ही प्रारंभ हो जाता है लेकिन इस बार चंद्र ग्रहण को भारत में नहीं देखा जा सकेगा। जिस कारण से यह सूतक काल माना नहीं जाएगा। होली पर भी इसका कोई प्रभाव नहीं होगा, आप चिंता छोड़कर मस्ती के साथ होली का पर्व मनाएं।25 मार्च को इन देशों में लगेगा साल का पहला चंद्र ग्रहण। आयरलैंड, इंग्लैंड, स्पेन, पुर्तगाल, हॉलैंड, बैल्जियम, नार्वे, स्विट्जरलैंड, इटली, जर्मनी, फ्रांस, अमेरिका, जापान, रुस, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका, प्रशांत, अटलांटिक, आर्कटिक और अंटार्कटिका के हिस्सों में चंद्र ग्रहण देखा जा सकेगा।

गुरु के समक्ष जाकर एक साधक को कैसे व्यवहार करना चाहिए?

प्रयागराज के पवित्र धाम पर दो महान विभूतियों का मिलन हुआ है। एक हैं मुनि याज्ञवल्क्यजी, एवं दूसरी विभूति हैं ऋषि भारद्वाजजी। दोनों की मध्य जो वार्ता हो रही है, वह जगत के कल्याण हेतु परम् आवश्यक है। ऋषि भारद्वाजजी ले मुनि याज्ञवल्क्य जी को करबद्ध निवेदन करके रोक लिआ है। उनके मन में भगवान को लेकर अतिअंत जिज्ञासा है। वे श्रीराम जी के अवतार एवं दिव्य लीलायों को लेकर, अनेकों प्रश्न पूछना चाहते हैं। देखा जाये तो समस्त लोकों में ऋषि भारद्वाजजी के तप की महिमा भी कुछ कम नहीं है। वे परम सिद्ध योगी हैं। लेकिन फिर भी वे मुनि याज्ञवल्क्यजी को अपने मन की जिज्ञासायें प्रगट कर रहे हैं। क्या सचमुच ऋषि भारद्वाजजी के हृदय में अज्ञानता का कोई अंश शेष बचा था? या फिर वे कोई लीला कर रहे थे। निश्चित ही मुनि याज्ञवल्क्य जी भी जान गये थे, कि ऋषि भारद्वाजजी संसार के साधकों के आध्यात्मिक मार्ग में आने वाले प्रश्नों व उलझनों के समाधान हेतु ही ऐसे प्रश्न कर रहे हैं। स्वयं को एक साधक के रुप में प्रस्तुत करके, वे नम्रता व लोक कल्याण की भावना का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। मानों वे कहना चाह रहे हैं, कि कैसे एक साधक को किसी महापुरुष अथवा गुरु के समक्ष, स्वयं को रखना चाहिए। गुरु तो एक वैद्य की भाँति होता है। जिनके समक्ष जाने पर यह नहीं कहा जाता, कि मुझमें कितनी निरोगता है। बल्कि यह कहा जाता है, कि मुझमें यह-यह रोग हैं। वैद्य के पास जाकर कोई अपने डोले ही दिखाने लग जाये, और अपनी पीड़ा न दिखाये, तो समझो उसकी व्याधि कभी समाप्त नहीं होगी।ऋषि भारद्वाजजी हाथ जोड़ कर कहते हैं, कि हे प्रभु! संत लोग ऐसी नीति कहते हैं, और वेद, पुराण तथा मुनिजन भी यही कहते हैं, कि गुरु के साथ छिपाव करने से हृदय में निर्मल ज्ञान नहीं होता।सज्जनों विचार करके देखिये! ऋषि भारद्वाजजी जी की दृष्टि में गुरु की कितनी महानता है। वह बात, जो वे किसी निकट संबंधी को भी नहीं बता सकते। वह बात वे गुरु को बड़ी सहजता से बताते हैं। इसके पीछे क्या कारण है? कारण स्पष्ट है। सच कहें तो संसार में न तो किसी को अपना दुख ही कहना चाहिए, और न ही आपको अपनी प्रसन्नता का विषय साँझा करना चाहिए। क्योंकि आप अपना दुख बताने बैठेंगे, तो लोग चुपचाप आपकी दीनता व हीनता सुन तो लेंगे, लेकिन दूसरे ही पल वे दूसरों के पास जाकर आपका उपहास करेंगे। माना कि आपने दुख नहीं, अपितु अपने सुख की चर्चा की है। ऐसे में भी संसार आपके साथ भली नहीं करेगा। आपका प्रसन्न होना उसको किंचित भी रास नहीं आयेगा। वह भीतर ही भीतर जल उठेगा, कि आप दुखी कैसे हों? वह आपकी आँखों में खुशी के चिन्ह नहीं, अपितु अश्रुयों की बरसात देखना चाहेगा। लेकिन केवल गुरु जन ही ऐसे होते हैं, जो आपसे स्नेह पूर्वक बात करके, आपके दुख का निवारण करते हैं। वे आपके घाव पर नमक नहीं, अपितु दवा पट्टी करते हैं। ऐसे में भी अगर हम उन महान गुरु को प्रणाम करने की बजाये, उनके चरणों में न्योछावर होने की बजाये, उन्हीं से मन में कुंठा व पाप रखने लगेंगे, तो सोचिए फिर कहाँ से कल्याण होने वाला है। ऐसा ही विचार कर ऋषि भारद्वाजजी बोले-

'अस बिचारि प्रगटउँ निज मोहू।
हरहु नाथ करि जन पर छोहु।।'

अर्थात यही सोचकर मैं अपना अज्ञान प्रगट करता हूं। हे नाथ! सेवक पर कृपा करके इस अज्ञान का नाश कीजिए।

भोजन शाला में भोजन सेवा में दान देने वाले दाताओं के नाम

क्रमांक	दिनांक	दानदाता का नाम	स्थान	जन्मदिन-स्मृति में भोजन सेवा	राशि
1.	21.03.2024	श्रीमती पदमबाई प्रजापति	ग्राम नारायणा तह.घट्टिया	210 किलो आटा,5 लीटर तेल	रसीद क्रं.336
2.	22.03.2024	प्रणय जैन	जैन नमकीन सेंटर,फ्रीगंज	स्व.श्री गुलाबचंद्र जैन की पुण्य स्मृति में	आज का भोजन
3.	22.03.2024	के.के.गुप्ता	हनुमान कालोनी,सिकंदराबाद	स्व.श्रीमती कमलादेवी गुप्ता की पुण्य स्मृति में	आज का भोजन
4.	22.03.2024	रितेश वर्मा	ऋषिनगर,उज्जैन	स्व.श्री मंगल जी वर्मा की पुण्य स्मृति में	आज का भोजन

उज्जयिनी सेवा समिति द्वारा जिला चिकित्सालय उज्जैन में संचालित भोजन शाला में पिछले 25 वर्षों से समिति भोजन सेवा दे रही है। प्रतिदिन सैकड़ों जरूरतमंद और उज्जैन आने वाले यात्री मात्र 5 रू. में स्वादिष्ट भरपेट भोजन कर रहे हैं। गुरूवार दिनांक 21 मार्च को भोजनशाला में कुल 276 लोगों ने भोजन प्रसादी प्राप्त की।

महाकाल मंदिर में सबसे पहले होली का दहन होगा

उज्जैन(सुशील दुबे)। आगामी 24 तारीख को संध्या आरती के बाद शाम 7बजे महाकाल मंदिर परिसर में देश के सबसे पहले होली का दहन किया जाएगा। प्रत्येक पव और त्योहार में यही होता है कि देश में सबसे पहले किसी पर्व और त्योहार की शुरुआत महाकाल मंदिर से ही होती है। सरकारी पुजारी घनश्याम द्वारा सबसे पहले महाकाल मंदिर परिसर में ओंकारेश्वर मंदिर के सामने होलिका दहन किया जाएगा। इससे अवसर पर उपस्थित भक्तों को अबीर - गुलाल भी लगाया जाएगा।

देश में यदि सबसे पहले कहीं होलिका दहन किया जाता है तो वह है महाकाल मंदिर। ऐसी मान्यता है कि किसी भी पर्व और त्योहार की शुरुआत महाकाल मंदिर से ही की जाती है। आगामी 24 तारीख की शाम को संध्या आई के बाद मंदिर परिसर स्थित ओंकारेश्वर मंदिर के सामने सासाकी पुजारी घनश्याम द्वारा सबसे पहले होली का दहन किया जाएगा। सिद्धिविनायक मंदिर के पुजारी चम्मू गुरु ने बताया कि देश में सबसे पहले यदि किसी पर्व या त्योहार की शुरुआत होती है वह है महाकाल मंदिर। होलिका दहन के पशचचात भक्त जनों को अबीर -गुलाल भी इस अवसर पर लगाया जाएगा। हाथ के कंडो से बनने वाली इस होली में डांडा भी सूखी लकड़ी का बनाया जाता है। पुरोहित परिवार की महिलाओं द्वारा इस अवसर पर होली का पूजन किया जाएगा।

सिंहपुरी में पांच हजार कंडों से बनी इकोफ्रेंडली होली का दहन होगा

उज्जैन । फाल्गुन पूर्णिमा पर 24 मार्च को सिंहपुरी में गाय के गोबर से बने पांच हजार कंडों से इकोफ्रेंडली होली बनाई जाएगी। शाम को प्रदोषकाल में चार वेद के ब्राह्मणों द्वारा चतुर्वेद ऋचाओं से होलिका का पूजन किया जाएगा। इसके बाद महिलाएं पूजन करेंगी। लोकमान्यता में सिंहपुरी की होलिका का पूजन भूत, प्रेत आदि बाहरी बाधाओं से मुक्ति दिलाता है।ज्योतिषाचार्य पं.अमर डब्बावाला ने बताया सिंहपुरी स्थित आताल पाताल भैरव के प्रांगण में अर्वाचीन संस्कृति का पालन करते हुए इको फ्रेंडली होली का निर्माण किया जाता है। इसके कंडे भी जब पंक्तिबद्ध होते हैं तो वेद मंत्र की ऋचाएं गाई जाती है। सिंहपुरी में यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी ब्राह्मणों द्वारा निर्वाह की जा रही है।इस होली में लकड़ी का बिल्कुल भी उपयोग नहीं होता है। होली के डांडे की बजाय मध्य में प्रहलाद स्वरूप में ध्वज लगाया जाता है। यह भी एक चमत्कार है कि होलिका दहन करने पर ध्वज जलता नहीं है, बाद में ध्वज के कपड़े को श्रद्धालु आपस में बांट लेते हैं, इसके ताबीज बनाए जाते हैं। मान्यता है बच्चों को होली के ध्वज का ताबीज बांधने से नजर नहीं लगती है।होलिका का पूजन वायव्य दोष भूत प्रेत अथवा जादू टोने की स्थिति से निवृत होने के लिए भी किया जाता है। ऐसी भी मान्यता है कि होलिका का पूजन करने से वायव्य दोष निवृत्त होते हैं। भूत प्रेत का दोष नहीं लगता है और टोने टोटके आदि का प्रभाव निष्क्रिय हो जाता है, इसलिए भी लोग दूर-दराज से यहां पूजा करने आते हैं

थ्रेसर मशीन की चपेट में आने से एक महिला मृत

उज्जैन/ ग्राम धत्त राव दा में एक थेशर मशीन की चपेट में आने से एक महिला की मृत्यु हो गई है ।प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना नागझिरी के अंतर्गत ग्राम घत रावदा में एक खेत पर काम कर रही ट्रैक्टर और प्रेशर मशीन की चपेट में आने से एक महिला की मृत्यु हो गई है। खाने के सहायक उप निरीक्षक राम प्रसाद वेद में बताया कि एक नए ट्रैक्टर में प्रेशर मशीन लगी हुई थी ट्रैक्टर के चालक शाहरुख पिता शाहिद पटेल ने तृषा मशीन में सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए थे कितने में एक मजदूर महिला प्रेशर मशीन में काम करने आई उसकी सारी का पल्लू प्रेशर मशीन में आ जाने के कारण गंभीर चोट सर में पहुंची जिससे महिला आशा बाई पति बालू की उम्र 36 वर्ष निवासी ग्राम धत्रवाडा की मौत हो गई है।

बड़नगर में एएसआइ से तीन बदमाशों ने छीनी पिस्टल, पुलिस ने किया गिरफ्तार

बड़नगर/उज्जैन। बड़नगर में बुधवार रात ढाबे पर खाना खाने जा रहे एएसआइ को तीन बदमाशों ने मदद के बहाने हाथ देकर रोक लिया। इसके बाद तीनों ने एएसआइ से उसकी सर्विस पिस्टल छीन ली। जिस पर एएसआइ ने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी। पुलिस ने रात में ही घेराबंदी कर तीनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों से पिस्टल बरामद कर ली गई। तीनों आरोपित भागने के दौरान गिरकर घायल हो गए। तीनों के खिलाफ पुलिस रासुका के तहत कार्रवाई कर रही है।उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि बड़नगर थाने में पदस्थ एएसआइ गोवर्धनदास बैरागी बुधवार रात को ड्यूटी पर जाने से पहले खाना खाने के लिए ढाबे पर जा रहे थे। उसी दौरान धाकड़ किराना दुकान के समीप तीन

व्यक्ति एक बाइक लेकर सड़क किनारे खडे थे। तीनों ने बैरागी को हाथ देकर मदद के बहाने रोक लिया। एएसआइ बैरागी ने जैसे ही बाइक रोकी तीनों ने उनके साथ मारपीट कर सर्विस पिस्टल मय कारतूस छीन ली और वहां से भाग निकले।जिसके बाद एएसआइ बैरागी ने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को घटनाक्रम की जानकारी दी। पुलिस ने कन्या स्कूल जाफला रोड पर घेराबंदी कर तीनों आरोपित संजय उर्फ सुनील उर्फ टारजन पुत्र शोभाराम कीर उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम मिंडका भाटपचलाना, अभिषेक पुत्र तेजूसिंह पंवार उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम जाफला, अजय पुत्र सुभाष विश्वकर्मा उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम ढोलाना बदनावर को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस से बचने के दौरान तीनों आरोपित गिरकर घायल हो गए। एक आरोपित की पैर की हड्डी टूटी, वहीं दो आरोपितों के हाथों की हड्डी टूट गई। आरोपितों को पकड़ने के दौरान टीआइ मनीष दुबे भी घायल हो गए। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से पिस्टल व पांच कारतूस बरामद कर लिए।पुलिस ने बताया कि तीनों आरोपित पेट्रोल पंप पर काम करते हैं। तीनों ढाबे पर खाना खाने के लिए गए थे। जहां इन्होंने शराब भी पी थी। इसके बाद तीनों ने वारदातों को अंजाम दिया था। तीनों वारदात के बाद स्कूल में जाकर छुप गए और सो गए थे। आरोपित टारजन के खिलाफ मारपीट के दो तथा अजय के खिलाफ आर्म्स एक्ट का एक केस दर्ज है।एसपी शर्मा ने बताया कि तीनों आरोपितों ने पुलिसकर्मी पर हमला कर उससे पिस्टल छीनी है। उस दौरान पुलिसकर्मी वर्दी में था। यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है। इसलिए तीनों के खिलाफ रासुका के तहत भी कार्रवाई की जा रही है।

चार स्थानों पर शराब का अवैध परिवहन करने पर पकड़े गए

उज्जैन/ बीती रात शहर के दो थाना क्षेत्र से चार जगह पर अवैध शराब का परिवहन करते चार लोगों को पकड़ा है।प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना भैरूगढ़ अंतर्गत ग्राम नेवेली में आरोपी मदन भानूपा के कब्जे से अवैध शराब पकड़ी गई। इसी प्रकार ग्राम हरिगढ़ से प्रधान आरक्षक हरीश चौहान ने आत्माराम को अवैध शराब ले जाते हुए पकड़ा है। इसी प्रकार खाना नहाना खेड़ा के अंतर्गत काला पत्थर से सहायक उप निरीक्षक राजेश जाट ने अवैध शराब का परिवहन करते एक को पकड़ा है एवं आनंद नगर से प्रधान आरक्षक प्रवीण चौहान ने अवैध शराब का परिवहन करते एक को पकड़ा है।

कार और मोटरसाइकिल की टक्कर

उज्जैन/ उज्जैन- उन्हेल रोड पर ग्राम गोयला में एक क र ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना भैरूगढ़ अंतर्गत उज्जैन उन्हेल रोड पर ग्राम गोला में एक कर में मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी है यह जानकारी ग्राम बनबनना के 50 वर्षीय बलराम पिता मोतीराम ने दी।

जिला चिकित्सालय परिसर से हीरो होंडा चोरी

उज्जैन/ जिला चिकित्सालय के इमरजेंसी वार्ड के सामने से एक हीरो होंडा चोरी कर हुई अज्ञात बदमाश ले गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला चिकित्सालय परिसर के इमरजेंसी वार्ड से थाना कोतवाली अंतर्गत बीती रात कोई अज्ञात चोर हीरो होंडा उठा कर ले गया है। यह जानकारी देते हुए ग्राम साहब खेती के 34 वर्षी दिनेश पिता सेवाराम ने देते हुए बताया कि होंडा क्रमांक एमपी 13 एफएन 7723 कोई अज्ञात चोर ले गया है।

आचार संहिता के डर से व्यापारी नहीं रख रहे ज्यादा कैश

उज्जैन। आचार संहिता के कारण मंडी में किसानों को उपज का भुगतान मिलना बंद हो गया है। उपज का नगद भुगतान नहीं मिल रहा है। किसानों ने नगद भुगतान की व्यवस्था करने की मांग की है।

आम चुनाव की आचार संहिता से मंडी में कारोबारी और उपज बेचने आने वाले किसान भी प्रभावित हो रहे हैं। चुनाव की घोषणा होने के बाद से मंडी में नकद भुगतान रुकने लगा है।मंडी में उपज बेचने वाले किसानों को दो लाख रुपये तक की राशि नकद ही देने का प्रावधान प्रशासन ने किया है। किसान शिकायत कर रहे हैं कि दो-तीन दिन से व्यापारियों ने नकद भुगतान से इन्कार कर दिया है। इस बीच कुछ कारोबारियों पर किसानों का भुगतान रोकने का आरोप लगा है। किसानों के अनुसार मंडी प्रशासन कार्रवाई करने की बजाय खामोश बैठा है। आयकर के नियमों के अनुसार 20 हजार रुपये से ज्यादा राशि का भुगतान नकद नहीं किया जा सकता। हालांकि किसानों की फसल बेचने के मामले में आयकर के इस नियम से छूट है।बीते वर्षों में विरोध और हंगामे के बाद मंडी में आने वाले किसानों की पहचान पत्र की प्रति लेकर नकद भुगतान देने की छूट व्यापारियों की दी गई थी। आचार संहिता लगने के बाद व्यापारियों को डर लग रहा है कि वे रुपये लेकर अपने साथ चलेंगे तो पुलिस और निर्वाचन के अधिकारी उनकी जांच करेंगे और रुपये जब्त हो सकते हैं। इसी के चलते आचार संहिता लगने के बाद व्यापारियों ने नकद रुपये साथ लाना ही बंद कर दिया है। व्यापारियों के अनुसार एक-एक व्यापारी चार-पांच किसानों से माल खरीदता है। ऐसे में उसे 5-10 लाख रुपये तो नकद रखना ही पड़ते हैं। इतना नकद लेकर आचार संहिता के दौर में चलना परेशानी बढ़ा रहा है।किसान मलखान सिंह, शेरसिंह मकवाना, गुलाब सिंह पिछले तीन दिनों से मंडी में उपज लेकर आ रहे किसानों को नकद भुगतान नहीं हो पा रहा है। व्यापारी चुनाव का बहाना बना रहे हैं। वैवाहिक सीजन है और गांव में शादी ब्याह के चलते किसानों को पैसों की जरूरत है, लेकिन व्यापारियों का कहना है कि वे नगद भुगतान नहीं कर पाएंगे। इस संबंध में किसान संगठनों ने कलेक्टर को भी पत्र लिखकर नगद भुगतान की व्यवस्था को लागू करने की मांग करने का निर्णय लिया है।

आवश्यकता है

- न्यूज एंकर
- सोशयल मीडिया हैंडलर
- कैमरा मैन
- रिपोर्टर

की तत्काल आवश्यकता है।

सैलरी योग्यतानुसार–

मोबाईल नं.–

94253 12555

ब्यूटी पार्लर के ताले तोड़कर चोरी

सोने के टाप्स,डीवीआर मशीन सहित अन्य सामान गया

उज्जैन। विवेकानंद कालोनी में ब्यूटी पार्लर संचालित करने वाली महिला के ब्यूटीपार्लर का ताला तोड़कर अज्ञात बदमाश ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया जिसकी रिपोर्ट नीलगंगा थाने में दर्ज कराई गई है। पुलिस ने बताया कि प्रीति गोमे पति रितेश गोमे निवासी विष्णुपुरा द्वारा विवेकानंद कालोनी में वेक्स एण्ड मेकअप स्टूडियो ब्यूटी पार्लर संचालित किया जाता है। प्रीति गोमे ने पुलिस को बताया कि 19 मार्च की रात ब्यूटी पार्लर बंद कर वह घर गई और 20 की सुबह खोलने पहुंची तो देखा ताले टूटे थे और बयूटी पार्लर का सामान बिखरा पड़ा था। उन्होंने अपने देवर को फोन पर सूचना दी और ब्यूटी पार्लर में रखे सामान को चेक किया जिसमें सोने के टाप्स, डीवीआर मशीन सहित अन्य सामान चोरी हो चुका था। प्रीति ने थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई।

ई रिक्शा एवं एक्टिवा की टक्कर

उज्जैन/ मक्सी रोड पर एमपी अब कार्यालय के सामने एक ई रिक्शा में एक्टिव में टक्कर मार दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना माधव नगर के अंतर्गत मक्सी रोड पर एमपीईबी कार्यालय के सामने एक ई रिक्शा चालक ने अपना वाहन तेज गति और लापरवाही से चलते हुए एक्टिवा में टक्कर मार दी है। यह जानकारी मक्सी रोड पर अंजू श्री कॉलोनी के निवासी 46 वर्षी अशोक पिता गोपाल सिसोदिया ने दी।

मुद्रक, प्रकाशन, **प्रधान संपादक-घनश्याम पटेल** द्वारा 97 ए, निकास रोड़ उज्जैन से प्रकाशित व भगवती ऑफसेट 44,बहादुरगंज उज्जैन से मुद्रित,फोन-0734-4218273, इंदौर कार्यालय सी-4/2 ओल्ड पलासिया पी.डब्ल्यू.डी. बंगला-18,इंदौर। फोन-0731-4239766,Email-shabdsaroverindujjain@gmail.com,आर.एन.आई.नं.56481/92, पो.रजि.नं.- एल-2/65/आरपीएन/390/2023-2025, **स्थानीय संपादक-जोगेश गोविंदानी।(समाचार चयन के लिए पीआरबीएक्ट के तहत जिम्मेदार)**।